पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य)

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

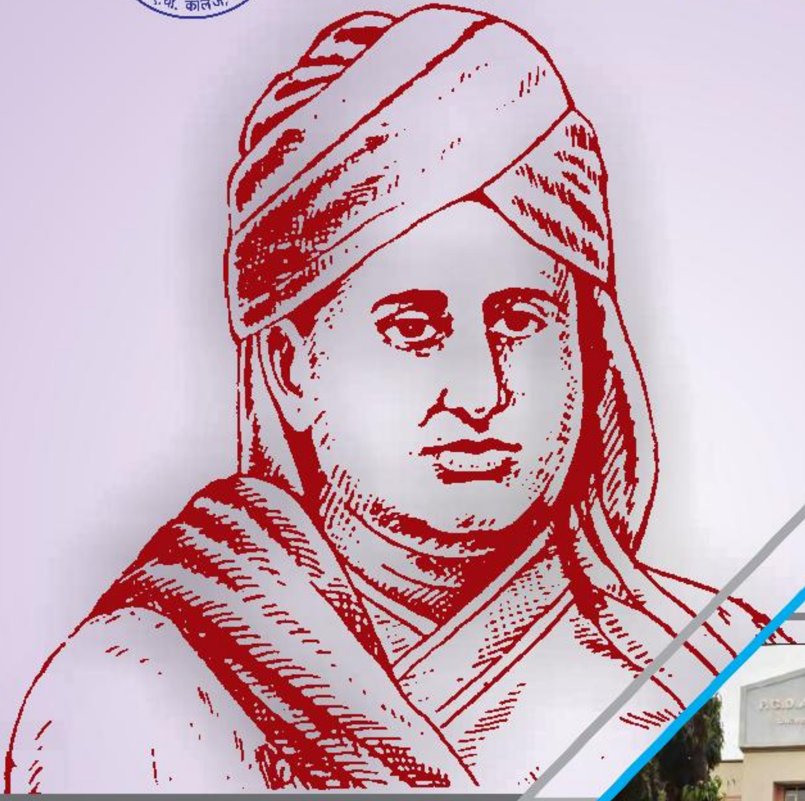

उत्कृष्ट शिक्षा के

1958 60 2018

वर्ष

वार्षिक विवरण 2017-18

प्रशासकीय समिति के सदस्य

श्री टी. एन. चतुर्वेदी (अध्यक्ष)
श्री जे. के. कपूर
डॉ. सतीश कुमार शर्मा
डॉ. डी. वी. सेठी
डॉ. एम. सी. शर्मा
डॉ. बी. सी. जोशन
प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय
श्री. राजीव रतन
डॉ. ईशा वर्मा
डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता (प्राचार्य, सांध्य कॉलेज)
डॉ. मुकेश अग्रवाल (कार्यवाहक प्राचार्य, प्रातः कॉलेज)

श्री अजय सूरी (कोषाध्यक्ष)
श्री आर. के. सेठी
श्रीमती रीता गुप्ता
श्री अरविंद घई
डॉ. शांति स्वरूप खन्ना
श्री आर. सी. जीवन
प्रो. रीना चक्रवर्ती
श्री वरुण गौत्तम
डॉ. विपिन प्रताप सिंह

विशेष आमंत्रित

श्री पवन कुमार मैठानी
श्री राजेश खन्ना

कार्यक्रम तिथि : शुक्रवार 25 अप्रैल 2018

मुख्य अतिथिः श्री ओ.पी. कोहली
(माननीय राज्यपाल, गुजरात, भारत सरकार)

अध्यक्षता
श्री टी. एन. चतुर्वेदी
(अध्यक्ष, प्रशासकीय समिति)

वार्षिक विवरण प्रस्तुति
डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता
(प्राचार्य)

वार्षिक विवरण लेखन
डॉ. अनिल कुमार सिंह

मान्यवर,

मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि किसी भी संस्था के वर्तमान स्वरूप के पीछे वास्तव में उसके पूर्व पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सहयोगियों का योगदान और शुभाशीष होता है, इसलिए मैं आज कॉलेज के सभी पूर्ववर्ती प्राचार्यों, प्रशासकीय समिति के अध्यक्षों और सदस्यगणों को अत्यंत श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ, जिनके आशीर्वाद से हमारा कॉलेज निरंतर प्रगति कर रहा है और शिक्षा जगत में एक विशेष स्थान बनाने में सफल हुआ है।

कॉलेज के लिए यह अत्यंत प्रसन्नता और गर्व का विषय है कि आज मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यपाल श्री ओ. पी. कोहली जी उपस्थित हैं। आपकी छवि एक प्रसिद्ध शिक्षाविद्, चिंतक और सक्रिय समाजसेवी के रूप में है। अनेक संवैधानिक पदों पर रहते हुए भी मूलतः आपमें एक शिक्षक बसता है, ऐसा मैं मानता हूँ। मानवीय संवेदनाओं और संबंधों की आपको गहरी समझ है और उन्हें आप बखूबी निभाते भी हैं। यह आपके व्यक्तित्व का आकर्षण ही है कि आप जहाँ भी होते हैं, सभी आपकी ओर खिंचे चले आते हैं और हर कोई अपने को आपसे सबसे निकट अनुभव करता है। आपको मुख्य अतिथि के रूप में पाकर हमें अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। आज आपके विचारों से निश्चित ही हम सब अत्यंत लाभान्वित होंगे।

पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी आप सभी के सहयोग से अनेक ऐसे प्रयास और कार्यक्रम हुए हैं जो कॉलेज में प्रथम बार हुए हैं। विस्तृत विवरण पढ़ने से पहले मैं उनमें से कुछ प्रयासों और नई सफलताओं का उल्लेख करना चाहूँगा। हम सभी को जानकर प्रसन्नता होगी कि कॉलेज में Sanitary Napkin Vending Machine लगाई गई है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी Co-ed कॉलेज में लगाई जाने वाली पहली Vending मशीन है। विद्यार्थियों को Healthy Food मिले, इसलिए कॉलेज में Fresh Fruit Juice Corner और Mother Dairy Outlet खोले गए हैं। कॉलेज में पढ़ने वाले सभी 2000 विद्यार्थियों का 2 लाख रुपये का Insurance कराया गया है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय में किसी कॉलेज के द्वारा की गई अनूठी पहल है। यही नहीं, देश की रक्षा सेवाओं के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए, उन सभी विद्यार्थियों का Fee Concession किया गया है जिनके परिवार का कोई भी सदस्य Defence Forces में कार्यरत है।

कुछ वर्ष पूर्व कॉलेज में Placement Cell की स्थापना की गई थी। इस वर्ष इसे व्यापक रूप देने के लिए Internship Cell भी शुरू किया गया। विद्यार्थियों को समुचित Guidance और Counseling मिले, इसलिए Mentor & Mentee व्यवस्था लागू कर दी गई है। विद्यार्थियों में Social Orientation बढाने के लिए 'संस्पर्श' नामक एक अद्भुत प्रयास शुरू किया गया है, जिसके माध्यम से कपड़े, स्टेशनरी, पुस्तकें आदि उपयोग में आने वाली वस्तुएं एकत्रित कर जरुरतमंद विद्यार्थियों में वितरित की जाती हैं। Food Waste को Recycle करने के लिए एक Pit तैयार किया गया है, जिसमें तैयार खाद का उपयोग कॉलेज में बनाए गए Herbal Garden और अन्य Plantations में किया जाता है। हमारे इन प्रयासों की सराहना करते हुए Confederation of Indian Universities & World Agency for Value Education के द्वारा कॉलेज को Spiritual

& Value Education Award प्रदान किया गया है। आपको जानकर खुशी होगी कि कॉलेज में इस वर्ष से Spic Macay और Rotary Club के Chapters भी आरंभ कर दिए गए हैं। दो वर्ष पहले शुरू किए गए Add-on Courses की संख्या इस वर्ष 14 तक पहुँच गई है। Legal Awareness के Add-on Course के माध्यम से दिल्ली कोर्ट द्वारा अनेक विद्यार्थी Para Legal Volunteeers के रूप में चुने गए हैं, जो जनता के बीच जाकर निःशुल्क कानूनी जानकारी प्रदान करते हैं। हमने लाइब्रेरी में N-LIST Software शुरू किया है, जिसके माध्यम से घर बैठकर 6000 E-Journals और 31,35,000 E-Books निःशुल्क Access की जा सकती है।

PM युवा योजना के अंतर्गत कक्षाएं आरंभ की गई हैं। पूरे विश्वविद्यालय में केवल हमारा कॉलेज है, जहाँ Air Quality Monitoring Station लगाया गया है। इस स्टेशन के Infrastructure और मशीनों से संबंधित लगभग डेढ़ करोड़ का पूरा अनुदान दिल्ली सरकार ने प्रदान किया है। Digital और Cashless Campus बनाने के लिए कॉलेज में इस वर्ष से Multipurpose Smart Card प्रारंभ किया गया है, जिसका उपयोग लाइब्रेरी, कैंटीन आदि में Payment करने से लेकर I-Card के रूप में हो रहा है। इस वर्ष सभी विद्यार्थियों की Fees Online प्राप्त कर कॉलेज ने इस दिशा में एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। कॉलेज का अपना U-Tube Channel है और इस वर्ष से E-Portal भी आरंभ कर दिया गया है। खेलों में कबड्डी खेल को आरंभ किया गया है। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अनेक संगोष्ठियों का आयोजन किया गया, जिसमें 'वेदों में विज्ञान एवं कला' विषय पर आयोजित संगोष्ठी विशेष उल्लेखनीय है।

इन सभी प्रकार की गतिविधियों को Print और Electronic Media में बहुत ही उत्साहवर्धक Coverage मिल रही है। इसके उदाहरण के रूप में मैं बताना चाहूँगा कि 15 अगस्त 2017 को एक प्रसिद्ध Channel के द्वारा हमारे कॉलेज के पूरे एक घंटे का कार्यक्रम तीन बार Telecast किया गया।

शिक्षक वर्ग की उपलब्धियाँ

अंग्रेजी विभाग

हमारे कॉलेज में इस समय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अंतर्गत कुल 80 प्राध्यापक कार्यरत हैं। विगत वर्षों की तरह इस साल भी हमारे योग्य एवं कर्मठ प्राध्यापकों ने शिक्षा, साहित्य, समाज आदि विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है–

❖ **डॉ. मीता भटनागर–**विश्व जनसंख्या दिवस के शुभ अवसर पर International Association of Education for World Peace (Affiliated to United Nations) के द्वारा 11 जुलाई 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'विश्व महिला सशक्तिकरण सम्मेलन 2017' में 'राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण एवं विकास' सम्मान प्रदान किया गया। अखिल भारतीय मूल्य और संसाधन विकास संस्था द्वारा 25–26 अगस्त 2017 को "Sexual Harassment of Women at Work Place : Prevention, Prohibitional Redressal' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में भाग लिया।

❖ **डॉ. ज्योत्स्ना प्रभाकर**–सितंबर 2017 में जामिया मिलिया इस्लामिया के मानव संसाधन विकास केंद्र, (यू.जी.सी.) द्वारा 'Global Studies' विषय पर आयोजित अंतर–अनुशासनिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया। मानव रचना रिसर्च एंड स्टडिज, अंतरराष्ट्रीय संस्थान के मीडिया और मानविकी विभाग द्वारा 22 मार्च 2018 को 'Media, Language and Literature: Changing Concepts & Dimensions' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में 'Language and Literature in Indian Media' शीर्षक शोध–आलेख प्रस्तुत किया।

श्री अनिल कुमार–NIT हम्मीरपुर के द्वारा आयोजित 'NC MESS - 2017' में 'Quest for Love Plight of Edna and Gouri' शीर्षक आलेख की प्रस्तुति। ओसमानिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर–अनुशासनिक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में 'English Language Teaching in Himachal Pradesh' शीर्षक आलेख की प्रस्तुति। इसके अतिरिक्त दो शोध आलेखों का पुस्तकों में प्रकाशन।

अर्थशास्त्र विभाग

❖ **श्री गौतम झा**–'KAAV International Journal of Social Sciences' के अप्रैल–जून, 2017, अंक–2 में 'Rural & Urban Divide in Indian Telecommunication' शीर्षक आलेख, 'Scholarly Research Journal for Humanity, Science and English Language' के अप्रैल–मई 2017, अंक–4/21 में 'Studying Ideas and Institution of Policy Making in India' शीर्षक आलेख एवं 10–16 फरवरी 2018 के रोजगार समाचार में 'Union Budget 2018-19, Creating Opportunities for Youth and Employment' लेख का प्रकाशन।

इतिहास विभाग

❖ **डॉ. नागेंद्र शर्मा**–28–30 दिसंबर 2017 को कोलकता में आयोजित इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस के 78वें अधिवेशन में भाग लिया।

❖ **डॉ. श्रुति विप**–यूजीसी के ई–पी.जी. पाठशाला में 'कम्यूनिटी, मीडिया एंड सोसाइटी' विषय के लिए एक अध्याय का लेखन। अपने कॉलेज में 3 नवम्बर 2017 को 'भक्तिकालीन कविता भारतीय संस्कृति के विविध आयाम' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में 'भक्ति कालीन हिन्दी कविताः नारी विमर्श' शीर्षक शोध आलेख की प्रस्तुति। मई 2017 से मार्च 2018 के बीच डॉ. विप ने यूजीसी–सीईसी के 'वुमेन इन हिस्ट्री', 'जेंडर एंड एजुकेशन' सीरीज तथा 'inequality and differences' विषय के अंतर्गत क्रमशः तीस, बयालीस एवं दो विडियो लेक्चर्स रिकार्ड करवाए, जो यूजीसी–सीईसी के चैनल तथा वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

❖ **डॉ० मोतिउर रहमान खान**–आनंद सिंह द्वारा संपादित 'Dana' Reciprocity and Patronage in Buddhism, Primus, Delhi (2017) पुस्तक में प्रोफेसर एस. जेड. एच. जाफरी के साथ संयुक्त रूप से लिखित 'Endowments, Grants and Charities in Medieval India- A Case Study of Mahabodhi Temple' शीर्षक शोध–पत्र का प्रकाशन।

गणित विभाग

- **डॉ. जगमोहन राय**–केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के गणित से संबंधित पाठ्यक्रम निर्माण के लिए पाठ्यक्रम संयोजक के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। रिपब्लिक ऑफ सर्विया दूतावास और पोएट्री एक्रोस कल्चर के द्वारा संयुक्त रूप से 20 मार्च 2018 को 'A Soiree of Words and Rhythms- A confluence of thoughts in Serbian and Indian Poetry' विषय पर आयोजित विशिष्ट कार्यक्रम में कवि के रुप में आमंत्रित किए गए।

- **श्री हरि प्रताप**–इंस्टिच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग-टेक्नोलॉजी, अलवर, राजस्थान के द्वारा VLSI Communication and Network (VCAN & 2017) विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में परामर्श समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया। साउथ एशियन विश्वविद्यालय द्वारा 'Differential equations' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित हुए। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के अप्लायड मैथमेटिक्स विभाग से 'Analytical aspects of fractional derivatives and their applications' विषय पर पीएच.डी. में शोधरत हैं।

राजनीति शास्त्र विभाग

- **विनीत कुमार सिन्हा**–लोक प्रशासन संस्थान दिल्ली द्वारा प्रकाशित 'लोक प्रशासन' नामक अर्द्ध–वार्षिक पत्रिका के जनवरी–जून 2018, अंक–1 में 'सूचना के अधिकार से सामाजिक अंकेक्षण तक' शीर्षक आलेख का प्रकाशन। 11 अप्रैल 2018 को 'Ensuring Accountability - Problems and Prospects of social Auditing' विषय पर पीएच.डी. शोध–प्रबंध मूल्यांकन के उपरांत साक्षात्कार संपन्न हुआ।

- **श्री मंगल देव सिंह**–डॉ. आर. एन. त्रिपाठी के संपादन में प्रकाशित 'मानव अधिकार की राजनीति : राज्य, समाज और मानव सुरक्षा' शीर्षक पुस्तक में 'भारत में बाल अधिकार तथा बाल न्यायालय' शीर्षक अध्याय का प्रकाशन। दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) के द्वारा 6–7 सितंबर 2017 को 'Today India - Culture, Society, State and Economy, विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में 'क्षेत्रीय आकांक्षाओं की राजनीति और नए राज्यों की अवधारणा' शीर्षक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

वाणिज्य विभाग

- **डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता**–आपने श्री अरबिंदो कॉलेज के द्वारा कॉमर्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में एक सत्र की अध्यक्षता की। जलाधिकार फॉउन्डेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में Commercialization of Water विषय पर, पंचनद रिसर्च फॉउन्डेशन द्वारा आयोजित पैनल चर्चा में 'Decolonization of Indian Intellect' विषय पर और दक्षिणा फॉउन्डेशन द्वारा आयोजित पैनल चर्चा में 'Orientation of Indian Youth' विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। संस्कृत अकादमी के सौजन्य से विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस के उद्‌घाटन सत्र में आपको उप–मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार के

द्वारा सम्मानित किया गया और आपने उस सत्र में अपना वक्तव्य भी प्रस्तुत किया। आपको SRCC ALUMNI ASSOCIATION के द्वारा DISTINGUISHED SRCC ALUMNI EXCELLENCE AWARD 2018, शोभना वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा 'शोभना सम्मान पुरस्कार 2018 और 'भारतीय साथी संगठन' के द्वारा 'राजधानी गौरव पुरस्कार' प्रदान किए गए।

❖ **डॉ. अनीता बजाज**–दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज द्वारा 14 मार्च 2018 को 'Social Media Marketing : Expanding Boundaries' विषय पर आयोजित सेमिनार में भाग लिया।

❖ **श्री रमेश कुमार**–दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के द्वारा 20 से 26 मार्च 2017 तक 'Research Methodology' विषय पर आयोजित छह दिवसीय लघु अवधि पाठ्यक्रम में भाग लिया। सी.आर.जेड.पी.जी. कॉलेज, सोनीपत के द्वारा 4 मार्च 2018 को 'भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में E-Waste Challenges for Green Economy' शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत किया। दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा इंडियन एकाउंटिंग एसोसियशन के सहयोग से 6 अक्टूबर 2017 को प्रैक्टिकल लैब इन फाइनेंसियल मैनेजमेंट' विषय पर आयोजित एक दिवसीय संकाय कार्यक्रम में भाग लिया।

❖ **श्रीमती सोनिया ढींगरा**–दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्थिक अध्ययन विभाग द्वारा 'Thrusts and Challenges in Indian Financial Sector : The way forward' विषय पर 23 सितंबर 2017 को आयोजित '30th Annual convention 2017' में भाग लिया।

❖ **श्रीमती सोनिका नागपाल**–JIM Quest नामक अर्द्धवार्षिक रेफर्ड जर्नल के जनवरी–जून 2017, अंक–13 में User Generated Communication- Understanding the Concept Factors, Motivation to share and Purchase Intention of Travel Consumers, शीर्षक शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

❖ **डॉ. मुकेश कुमार**–31 दिसंबर 2017 को चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा से 'Job Satisfaction of Workers in Brick Kiln Industry- A Study of Select Brick Kiln Units of Haryana State' विषय के अंतर्गत पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई। डॉ. सुनीता बंसल, मनोज बंसल और प्रो. राजिंदर कपिल द्वारा संयुक्त रूप से संपादित पुस्तक 'Commerce and Management(2017)' में 'Socio & Economic conditions of workers in Brick Kiln Industry' शीर्षक अध्याय का प्रकाशन। डॉ. डी. पी. सिंह और प्रो. राजिंदर कपिल द्वारा संयुक्त रूप से संपादित पुस्तक 'Strategic Research in Business and Finance' में 'Brick Kiln Industry- An Analysis and suggestions' शीर्षक अध्याय का प्रकाशन। 7 जुलाई 2017 को 'Legal News and Views' नामक मासिक राष्ट्रीय जर्नल के अंक 31 में 'Labour, Labourers, Labour laws and Democracy, शीर्षक लेख का प्रकाशन। 'International Journal of Society

and Humanities' के जुलाई–दिसंबर 2017, अंक–11 में 'Implementation Vis-a-Vis Implications of Labour Laws in Brick Kiln Industry' शीर्षक लेख का प्रकाशन। डॉ. पूनम, रुपाली अरोड़ा और इंदु कपिल द्वारा संयुक्त रूप से संपादित पुस्तक में Workers Facilities in Brick Kiln Industry- An Evaluation शीर्षक लेख का प्रकाशन।

हिंदी विभाग

- **डॉ. रुक्मिनी–**विश्व जनसंख्या दिवस के शुभ अवसर पर International Association of Education for World Peace(Affiliated to United Nations) के द्वारा 11 जुलाई 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'विश्व महिला सशक्तिकरण सम्मेलन 2017' में 'राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण एवं विकास' सम्मान प्रदान किया गया। अखिल भारतीय मूल्य और संसाधन विकास संस्था द्वारा 25–26 अगस्त 2017 को 'Sexual Harassment of Women at Work Place - Prevention, Prohibitional Redressal' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में भाग लिया। 3 नवंबर 2017 को 'भक्तिकालीन कविता : भारतीय संस्कृति के विविध आयाम' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में सक्रिय रूप से भाग लिया एवं एक सत्र का संचालन किया।
- **डॉ. आशा रानी**–6 सितंबर 2017 को रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के द्वारा अपने संस्थान में कार्यरत अधिकारीवर्ग के लिए आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाई तथा 'न्यू इंडिया विजन : चुनौतियाँ और अवसर' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। 16 फरवरी 2018 को गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय में रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में हिस्सा लिया। 31 मार्च, 2018 को मोतीलाल महाविद्यालय में 'साहित्य की प्रासंगिकता' विषय पर वक्तव्य दिया।
- **डॉ. ओंकार लाल मीणा–**जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के द्वारा 06 से 10 मार्च 2017 तक 'लैंगिक जागरूकता' विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय लघु अवधि पाठ्यक्रम में भाग लिया। तदंतर दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के द्वारा 20 से 26 मार्च 2017 तक 'शोध प्रविधि' विषय पर आयोजित छह दिवसीय लघु अवधि पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- **डॉ. हरीश अरोड़ा–**'संत गाडगे बाबा अमरावती, विश्वविद्यालय' के बी.कॉम, प्रथम वर्ष के अनिवार्य 'हिंदी विषय' में इनकी 'तप्त है फिर से जवानी' कविता को सम्मिलित किया गया। भारत सरकार के 'भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण' के द्वारा 4 अगस्त 2017 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 'पुस्तकालय और भारतीय संस्कृति' विषय पर विशेष व्याख्यान। 26 अगस्त 2017 को दिल्ली साहित्य सम्मेलन द्वारा 'हिंदी शिक्षण की नई विधियाँ' विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित। 19 सितंबर 2017 को शोधसंवाद– रिसर्च फोरम द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में 'रीतिकालीन कविता में राष्ट्रीय चेतना' विषय पर विशिष्ट वक्ता के रूप में संबोधन। 19 सितंबर 2017 को ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के 'लोक कार्यक्रम और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास परिषद्'

द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में 'राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की समस्याएं' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान। 6–7 अक्टूबर 2017 को श्री के.के. महाविद्यालय, एच.एस. कोतंब्री विज्ञान संस्थान और अवधी सांस्कृतिक प्रतिष्ठान के संयुक्त प्रयास से 'पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का व्यक्तित्व तथा जगदीशचंद्र माथुर का समग्र साहित्य' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में वक्तव्य। 11–13 अक्टूबर 2017 को हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला द्वारा आयोजित तीन दिवसीय लेखन–प्रशिक्षण आवासीय कार्यशाला में वक्तव्य। 27 अक्टूबर 2017 को सी.एम.के. नेशनल स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, सिरसा द्वारा 'राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय ज्ञानार्जन का सेतु : मातृभाषा' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान। यू. जी. सी.के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई महाविद्यालय के द्वारा 14–15 नवंबर 2017 को 'मीडिया, महिला और न्याय' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्तव्य। 17–18 नवंबर 2017 को पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, चंडीगढ़ के द्वारा 'राम साहित्य के विविध परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान। 19 नवंबर 2017 को बाबा मस्तराम विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर, रोहतक द्वारा 'उच्च शिक्षा में दर्शन एवं नैतिक मूल्य' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विशेष व्याख्यान। 20–21 दिसंबर 2017 को स्वामी गोविंदाश्रम स्नातकोत्तर महविद्यालय, मीरजापुर द्वारा 'भूमंडलीकरण के दौर में उच्च शिक्षा : बदलते परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेष व्याख्यान। 16–17 फरवरी 2017 ए. बी. कला और के. सी. पी. विज्ञान महाविद्यालय, विजयपुर द्वारा 'भारतीय साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय का प्रवर्तन।14 अप्रैल 2018 को शोभना वेल्फेयर सोसायटी द्वारा साहित्य के क्षेत्रा में उल्लेखनीय कार्य के लिए 'शोभना सम्मान' से सम्मानित। जुलाई 2017 में 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत' पुस्तक का प्रकाशन। 'चार खंडों में विभक्त 'स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता: समय से संवाद' और नौ खंडों में विभाजित 'भक्तिकालीन कविता : भारतीय संस्कृति के विविध आयाम' पुस्तक का संपादन।

❖ **डॉ. मीना शर्मा**–'मास मीडिया और कम्यूनिकेशन' विषय में स्नातकोतर (एम.ए.) पाठ्यक्रम पूरा किया। अनामिका प्रकाशन से 'नवजागरण और स्त्री' शीर्षक पुस्तक का प्रकाशन। 8 मार्च 2018 को महिला दिवस के अवसर पर एफ.एम. रेडियो से वार्ता का प्रसारण। हंगरी के बुडापेस्ट में 2 से 12 जून 2017 तक आयोजित सेमिनार में वक्ता के रूप में भाग लिया।

❖ **डॉ. अनिल कुमार सिंह**–7 नवंबर 2017 को आत्मा राम सनातन कॉलेज के द्वारा 'अस्मितामूलक विमर्श : विविध आयाम' विषय पर आयोजित एक दिवसीय और 20–21 नवंबर 2017 को हंसराज कॉलेज द्वारा 'सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम में हिंदी शिक्षण के नवीन आयाम और अध्ययन–अध्यापन की चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित दो दिवसीय संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में भाग लिया। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के द्वारा 06 से 10 मार्च 2017 तक 'लैंगिक जागरूकता' विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय लघु

अवधि पाठ्यक्रम में भाग लिया। तदंतर दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के द्वारा 20 से 26 मार्च 2017 तक 'शोध प्रविधि' विषय पर आयोजित छह दिवसीय लघु अवधि पाठ्यक्रम में भाग लिया। महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के लिए चार अध्यायों का लेखन। 'कोशः अतीत और भविष्य' शीर्षक पुस्तक का प्रकाशन।

❖ **डॉ. डिंपल गुप्ता**–इस सत्र में 31 जुलाई को इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के द्वारा, 2–3 नवंबर को पी.जी.डी.ए. वी. महाविद्यालय (सांध्य) के द्वारा एवं 13 नवंबर को कमला नेहरू कॉलेज के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में क्रमशः 'तुलसी की नारी भावना', 'रामचरित मानस : भारतीय संस्कृति के अनमोल रत्न' और 'समाज के निर्माण में साहित्य और सिनेमा का योगदान' शीर्षक प्रपत्र का वाचन। 24 फरवरी को नव उन्नयन साहित्यिक सोसायटी के द्वारा और 8–9 मार्च को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में क्रमशः 'मानवीय मूल्य और भक्तिकाल' और 'नारी सशक्तिकरण और हिंदी सिनेमा' विषय पर आलेख प्रस्तुतीकरण। संचय प्रकाशन द्वारा प्रकाशित 'प्रवासी साहित्य : भाव एवं विचार' शीर्षक पुस्तक (2017) में 'स्वातंत्र्योतर हिंदी कविताओं में नारी अस्मिता' एवं 'तेजेंद्र शर्मा की कहानियाँ : संवेदना के विविध आयाम' शीर्षक पुस्तक (2018) में 'वैश्विक परिदृश्य एवं तेजेंद्र शर्मा की कहानियाँ' लेख का प्रकाशन । 'सहृदय' त्रैमासिक पत्रिका के मार्च 2018 अंक में 'मध्यकालीन साहित्य में पर्वोत्सव एवं संस्कार' शीर्षक लेख का प्रकाशन।

संस्कृत विभाग

❖ **डॉ. सत्यकाम शर्मा**–6–8 अक्टूबर 2017 को ब्रह्मदेश (म्यांमार) के सार्वदेशिक सभा द्वारा आयोजित 'अंतरराष्ट्रिय आर्य सम्मेलन' में 'वैदिक स्वर्णिम सिद्धांत' विषय पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। 23–24 मार्च 2018 को पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) के द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठ के संयोजक एवं इस अवसर पर 'वेदों में कला एवं विज्ञान' विषय पर प्रकाशित पुस्तक का संपादन किया। 25–27 मार्च 2018 को विज्ञान भवन, दिल्ली में आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया एवं कॉलेज समूह का प्रतिनिधित्व किया।

❖ **श्री योगेश शर्मा**–27–28 नवंबर 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू कॉलेज द्वारा आयोजित द्विदिवसीय 'राष्ट्रिय प्राविधिक संस्कृत कार्यशाला' में प्रशिक्षण प्राप्त किया। 10–12 दिसंबर 2017 को वेव्स की 21वीं राष्ट्रिय कॉन्फ्रेंस की 'श्रुति संध्या' में भाग लिया। 23–24 मार्च 2018 को पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) के द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठ के सह–संयोजक एवं इस अवसर पर 'वेदों में कला एवं विज्ञान' विषय पर प्रकाशित पुस्तक का सह–संपादन किया। 25–27 मार्च 2018 को विज्ञान भवन, दिल्ली में आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन के एक सत्र में 'भाषा शिक्षण में शिक्षा वेदांग की उपयोगिता' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया एवं दो सत्रों के समीक्षक भी रहे।

शारीरिक शिक्षा विभाग

- **डॉ. प्रमोद सेठी**–स्पोर्ट्स प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली से 'Yoga and Health' और 'Yoga and Healthy Aging' शीर्षक पुस्तकों का प्रकाशन। 28 नवंबर से 18 दिसंबर 2017 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के सी.पी.डी.एच.ई. द्वारा आयोजित 'विंटर स्कूल (आई.डी.) पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया एवं A ग्रेड प्राप्त किया। 2 दिसंबर 2017 को युनिवर्शल योग कॉनसियसनेस, केरल द्वारा दिल्ली के आई.सी.सी.आर., आजाद भवन में 'Yoga Tradition and Application' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में एक सत्र की अध्यक्षता की। 7–8 नवंबर 2017 को पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज के द्वारा 'The Need of Physical Education' in Improving the Performance of Indian Sportspersons in Olympics & other National & International Tournaments' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में 'A study of relationship between performance and selected fitness components of state and national level weightlifter* शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

शिक्षा संस्थान में पुस्तकालय रीढ़ की हड्डी के समान कार्य करता है और पुस्तकालय के बिना किसी शैक्षणिक परिवेश की पूर्णता की कल्पना करना संभव नहीं है। वस्तुतः पुस्तकालय कल्पवृक्ष की तरह होता है जिसके प्रभाव क्षेत्र के अधीन होकर ज्ञान का साधक मनोनुकूल फल प्राप्त करता है। अति प्राचीन सामग्री से लेकर एकदम आधुनिक शोधों/आविष्कारों के लिखित,अंकित एवं प्रकाशित दस्तावेजों को हम पुस्तकालय के माध्यम से बड़ी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा संस्थान में विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी सबके लिए पुस्तकों की जरुरत को पुस्तकालय ही पूरा करता है। निश्चित ही पुस्तकालय के सहयोग से ही हम शिक्षा के वास्तविक लक्ष्य को पूरा करते हैं। हमारे कॉलेज का पुस्तकालय इस दृष्टि से पूरी तरह सक्षम कहा जा सकता है। 27 मार्च 2018 तक की गणना के अनुसार पुस्तकालय में इस समय विभिन्न विषयों से संबंधित 55,217 पुस्तकें हैं। 2017–18 के शैक्षणिक सत्र में कुल ₹ 2,53,258 (मूल्य) की 890 पुस्तकें खरीदी गई हैं। इस वर्ष पुस्तकालय मद में कुल ₹ 9,04,396 के व्यय का अनुमान है। वाचनालय में संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं के 75 दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक पत्र–पत्रिकाएं नियमित रुप से उपलब्ध रहती है।

पुस्तकालय के महत्व का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 27 मार्च 2018 तक प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा 1,36,490 बार पुस्तकें पढ़ने के लिए निकलवाई गई। कॉलेज में पुस्तकालय संबंधी सेवाएं दोपहर 1.30 से रात्रि 8.15 बजे तक उपलब्ध रहती है, लेकिन आनेवाली परीक्षाओं को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों की अध्ययन–सुविधा के लिए परीक्षा आयोजित होने के एक माह पूर्व से पुस्तकालय सेवाओं को प्रातः 9 बजे से शुरू कर दिया जाता है। पुस्तकालय को अत्यधिक उपयोगी बनाने के लिए वहाँ कम्प्यूटर की सुविधा भी प्रदान की गई है।

एन. लिस्ट (N-LIST)

इसके अतिरिक्त कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को ई–सेवा (ई–बुक्स & ई–जर्नल) का अधिक से अधिक तथा निःशुल्क लाभ देने के लिए पुस्तकालय ने सितंबर 2017 में N-LIST(National Library and Information Services Infrastructure for Scholarly Content, INFLIBNET (Information and Library Network Centre, Gandhi Nagar, Gujarat), की संस्थागत सदस्यता ली है। N-LIST के माध्यम से उपयोगकर्ता कभी भी, कहीं से भी 6000 से अधिक ई-जर्नल्स एवं 1,35,000 से अधिक ई-पुस्तकों का लाभ ले सकता है।

पुस्तक निधि

कॉलेज में पुस्तक निधि की स्थापना सन् 1975 ई. में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा ₹ 15000 की सहायता राशि के साथ की गई थी। इस समय इस निधि में 1335 पुस्तकें हैं। इस निधि से पूरे साल कॉलेज के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिये पुस्तकें प्रदान की जाती हैं।

विद्यार्थी सहायता कोष

इस कोष की स्थापना सन् 1958 ई. में की गई थी, जिसका मूल उद्देश्य निर्धन–मेधावी विद्यार्थियों को पूरे वर्ष के लिए पुस्तकें प्रदान करना है। इस समय इस कोष में 4362 पुस्तकें हैं। इस साल पुस्तक निधि और कोष से 102 विद्यार्थियों को कुल 321 पुस्तकें प्रदान की गईं।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति

इस वर्ष अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अन्तर्गत कुल 144 (121+23) विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया।

अन्य पिछड़ा वर्ग

भारत सरकार की आरक्षण संबंधी संवैधानिक नीति के तहत् इस वर्ष कॉलेज में अन्य पिछड़ा वर्ग के अन्तर्गत 221 विद्यार्थियों को दाखिला प्रदान किया गया।

कॉलेज आर्काईव

कॉलेज के साठ साल के रिकाड्र्स को सुरक्षित रखने के लिए पुस्तकालय में आर्काईव की व्यवस्था की गई है, जिसके संयोजन के लिए इतिहास विभाग में कार्यरत श्री राजीव रंजन को दायित्व प्रदान किया गया है। इस आर्काइव में प्रशासनिक समिति, स्टाफ कॉन्सिल, स्टाफ एसोसिएशन, सभी विभाग के पाठ्यक्रमों एवं सभी गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज और चित्र सुरक्षित रखे गए हैं।

छात्र–संघ

परामर्शदाता–डॉ. विपिन प्रताप सिंह **सह-परामर्शदात्री–डॉ. मीना शर्मा**

इस वर्ष छात्र–संघ का चुनाव 12 सितंबर 2017 को सम्पन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष पद पर विशाल कसाना, उपाध्यक्ष पद पर अरुण कुमार, सचिव पद पर अनूप कुमार एवं सह–सचिव पद पर आदित्य राज का निर्वाचन हुआ। साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए सागर भाटी और राहुल भाटी को केन्द्रीय पार्षदों के रूप में चुना गया। अक्टूबर महीने में छात्र–संघ की ओर से डी.जे. सेशन का आयोजन किया गया। इस वर्ष छात्र–संघ के सदस्यों ने कॉलेज के द्वारा आयोजित सभी अकादमिक और सांस्कृतिक समारोहों में संतोषजनक सहयोग किया।

अंग्रेजी परिषद्

संयोजिका–डॉ.ज्योत्स्ना प्रभाकर **छात्र प्रतिनिधि–ललरूथ**

सत्र के आरंभ में अंग्रेजी परिषद् के द्वारा 22 अगस्त 2017 को प्रथम वर्ष के लिए 'Hindi or English : Link Language in India' विषय पर वाद–विवाद एवं 'Indian Cinema' विषय पर सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। परिषद् की ओर से 1 नवंबर 2017 को बी.ए. प्रोग्राम (तृतीय वर्ष) के विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम में सम्मिलित चार्ल्स डिकेंस के उपन्यास 'Oliver Twist' और 14 नवंबर 2018 को विलियम शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक 'Merchant of Venice' पर आधारित फिल्म दिखाई गई। कॉलेज के सफलतापूर्वक साठ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में परिषद् के द्वारा 22 मार्च 2018 को 'Dayanand Saraswati : Philosophy of Women Empowerment' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय के अधीन स्थापित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र से संबद्ध डॉ. देवेंदर सिंह ने अपना महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किया, जिसे सभी श्रोताओं ने खूब सराहा।

इतिहास परिषद् 'विरासत'

संयोजिका–डॉ. मृदुला अरोड़ा **छात्र प्रतिनिधि–अभिषेक सिंह**

इतिहास परिषद् 'विरासत' की ओर से दिनांक 2 नवंबर 2017 को कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय संग्रहालय एवं राष्ट्रीय लेखागार, नई दिल्ली के परिभ्रमण का आयोजन किया गया। जहां इतिहास के विद्यार्थियों को पुरातत्व तथा लिखित स्रोत से संबंधित आधारभूत व्यावहारिकताओं से अवगत कराया गया। संग्रहालय का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों के आकर्षण के केंद्र प्राचीन आभूषण थे। साथ ही अभिलेखागार में कार्टोग्राफी सेक्शन तथा बायोग्राफी सेक्शन में भी उनकी विशेष रूचि दिखी। भगत सिंह की जेल डायरी ने विद्यार्थियों को विशेष तौर पर लुभाया।

दिनांक 14 नवम्बर 2017 को 'हिस्टॉरिकल टूरिज्म' तथा 'दिल्ली थ्रू द एजेज' विषय

से संबद्ध के विद्यार्थियों के लिए पुराना किला में परिभ्रमण का आयोजन किया गया। पुराना किला उपर्युक्त दोनों विषयों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है, जहां विद्यार्थियों ने एक ही स्थान पर यमुना के बदलते स्वरूप तथा उससे प्रभावित दिल्ली को समझने का प्रयास किया। वहीं पुराना किला प्रारंभिक मुगल स्थापत्य कला के नमूने के रूप प्रसिद्ध है और इस स्थान को इतिहासकारों ने महाभारत के समय का इंद्रप्रस्थ भी माना है। पचास के दशक में पहली बार महाभारत के अवशेष ढूँढने के उद्देश्य से इस स्थान पर पुरातत्व विभाग ने खुदाई की थी। इतिहास विभाग के इस आयोजन के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने इस वर्ष पुनः खुदाई शुरू की। इतिहास विभाग ने विद्यार्थियों के लाभ के लिए पुनः दिनांक 17 फरवरी 2018 को पुराना किला परिसर के परिभ्रमण का आयोजन किया। साथ ही मुगल गार्डन को भी इस अकादमिक यात्रा में सम्मिलित कर लिया गया। इस आयोजन का लाभ यह हुआ कि डॉ. अश्वनी अस्थाना तथा डॉ. बैजनाथ अवस्थी जैसे फील्ड आर्कियोलोजिस्ट के नेतृत्व में खुदाई के मूलभूत सिद्धांतो से लेकर महाभारत के पुरातत्व के अब तक के इतिहास से विद्यार्थी परिचित हो सके।

विरासत के द्वारा 'How do you view the journey of Indian National Movement' विषय पर एक आलेख लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 14 विद्यार्थियों के आलेख प्राप्त हुए और मूल्यांकन के बाद तीन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम में 10 अप्रैल 2018 को 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' विषय पर आधारित क्विज (Quiz) का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और इसमें दो टीमों को विजयी घोषित किया गया। तत्पश्चात 12 अप्रैल 2018 को 'Social Reforms in 19th Century India: Lessons to be Learnt' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें आंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रो. सलिल मिश्रा को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने अपने व्याख्यान में स्वामी दयानंद सरस्वती जी के योगदान को मुख्य रूप से उद्धृत करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने ब्राह्मणवाद, जातिवाद के विरोध में जनचेतना जागृत की। उसके साथ ही उन्होंने स्त्री–शिक्षा के लिए अमूल्य योगदान दिया।

कौटिल्य परिषद्

संयोजिका–श्रीमती गीता अहूजा **छात्र प्रतिनिधि–योगेश चौधरी**

सत्र के आरंभ में कौटिल्य परिषद् के द्वारा क्विज का आयोजन किया गया और 14 अगस्त 2017 के पहले चक्र में 6 टीमों को चयनित किया गया, फिर 18 अगस्त के अंतिम चक्र में विजित विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। परिषद् के द्वारा 11 अक्टूबर 2017 को आयोजित व्याख्यान में T-I-M-E- Institute के उत्पाद प्रमुख एवं वरिष्ठ कॉउन्सिलर श्री मजिंदर सिंह ने 'The Art of Public Speaking' विषय पर अपना विचार प्रकट किया। 27 अक्टूबर 2017 को श्रीमती गीता अहूजा, श्री गौतम झा और श्रीमती दीपिका शर्मा के नेतृत्व में 30 विद्यार्थियों के समूह ने दूध से संबद्ध Clarification, Standardization, Homogenization, Pasteurization आदि प्रक्रियाओं को समझने के लिए मदर डेयरी के

पटपड़ गंज, दिल्ली, स्थित केंद्र का भ्रमण किया गया। 21 फरवरी 2018 को भारतीय रिजर्व बैंक के ए.जी.एम. डॉ. डी.बी. भट्टाचार्य जी ने विद्यार्थियों को रिजर्व बैंक की कार्य–प्रणाली से अवगत कराया, साथ ही उन्होंने मुद्रा–प्रबंधन, विमुद्रीकरण, बैंकिंग–पॉलिसी, क्रिप्टो–कैरेंसी आदि मुद्दों पर भी चर्चा की। सत्र के अंतिम दौर में भी एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को विमुद्रित नोटों से बनाई गई लेखनी पुरस्कार स्वरूप दी गई। 19 मार्च 2018 को अर्थशास्त्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और कई विद्यार्थियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। अंत में चार श्रेष्ठ वक्ताओं को पुरस्कार और शेष सभी प्रतिभागियों एवं परिषद् के प्रतिनिधियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। श्रीमती दीपिका शर्मा के सहयोग से कौटिल्य परिषद् के द्वारा एक भित्ति–पत्रिका का प्रकाशन भी नियमित रूप से किया जाता है, जिसमें प्राध्यापक और विद्यार्थियों के आलेख एवं समाचार–पत्रों की क्लिपिंग को प्रकाशित किया जाता है।

गणित परिषद्

संयोजक–श्री हरि प्रताप **छात्र प्रतिनिधि–विनोद**

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणित परिषद् की ओर से 1 सितंबर 2017 को प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नई प्रतिभाओं को जानने का अवसर मिला। तदंतर गणित विभाग का बहु प्रतीक्षित और 'विश्व गणित दिवस' के अवसर पर मनाया जानेवाला वार्षिक उत्सव 'Fundamenta' 14 अक्टूबर 2017 को मनाया गया, जिसमें मैथेमेटिकल क्विज, मैथेमेटिकल पेंटिंग, सुडोकु, पी.पी.टी. प्रेजेंटेशन जैसी अन्तरमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पूरे दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में दूसरे महाविद्यालयों से आए विद्यार्थियों की 30 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में South Asia University के डॉ. जे.सी. बंसल ने 'Contribution of India in the Field of Mathematics' विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

गणित विभाग की श्रीमती उदिता अग्रवाल के संयोकत्व में कॉलेज के द्वारा BHEL (भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड) के साथ मिलकर 2 नवंबर 2017 को 'मुझसे ही होगा भ्रष्टाचार मुक्त भारत की शुरुआत' विषय पर एक अंतरमहाविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों से आए 20 प्रतियोगियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आरंभ में मुख्य अतिथि एवं भेल इंडिया के ए. जी. एम. (विजिलेंस) श्री अमित जैन और कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर. के. गुप्ता ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित किया और आयोजन के अंत में विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए केंद्रीय सतर्कता एवं भ्रष्टाचार से संबद्ध एक वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी किया गया। प्रतियोगिता के समापन सत्र में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

वाणिज्य परिषद्

संयोजिका–श्रीमती सोनिया ढींगरा **छात्र प्रतिनिधि–हर्षप्रीत सिंह**

इस सत्र में विभाग के अंतर्गत प्रवेश पाने वाले नए विद्यार्थियों के लिए 6 सितंबर 2017 को रंगारंग सांस्कृतिक एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। तदंतर 9 सितंबर 2017 को 'How do they do it & Behind the scenes with Sparx' विषय पर एक व्याख्यान कार्यक्रम हुआ, जिसमें वक्ता के रूप में 'स्पार्क्स कंपनी' के उपाध्यक्ष श्री राजीव भाटिया ने 'स्पार्क्स' के व्यापारिक रणनीति पर अपने विचार व्यक्त किए। इस साल विभाग की ओर से तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कैरियर–कॉउन्सिलिंग एवं साक्षात्कार में सफलता अर्जित करने के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। तत्पश्चात 23 सितंबर 2017 को तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'नेशनल स्टॉक एक्सचेंज' की शैक्षणिक भ्रमण यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वहाँ के अनुभवी प्रशिक्षकों ने हमारे विद्यार्थियों को स्टॉक एक्सचेंज की संचालन विधि एवं व्यापारिक प्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

समिति के द्वारा 31 जनवरी 2018 को आयोजित व्याख्यान में वक्ता के रुप में आमंत्रित कंपनी सेकेटरी सुश्री पायल कटारिया ने 'Insolvency and Bankruptcy Code' विषय पर बोलते हुए नए कोड संबंधी प्रावधानों के कारण पब्लिक सेक्टर के प्रतिष्ठानों पर होने वाले असर से विद्यार्थियों को अवगत कराया। बाद में 24 फरवरी 2018 को 'Analysis of Financial Statements- A Unique Way' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को त्वरित गति से आर्थिक विवरणों के विश्लेषण करने के तरीकों से अवगत कराया गया। 26 फरवरी 2018 को विद्यार्थियों के द्वारा बहु प्रतीक्षित वाणिज्य उत्सव 'Comm-Mantra' का आयोजन किया गया, जिसकी अंतरमहाविद्यालय 6 प्रतियोगिताओं में कई महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। 8 मार्च 2018 को द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए पुनः 'नेशनल स्टॉक एक्सचेंज' की शैक्षणिक यात्रा का आयोजन किया गया, जहाँ हमारे विद्यार्थियों ने स्टॉक एक्सचेंज की कार्य–प्रणाली, भूमिका और व्यापारिक क्रिया–विधि की सूक्ष्मताओं का अध्ययन किया।

राजनीति विज्ञान परिषद् 'संप्रभु'

संयोजक–डॉ. कृष्ण मुरारी **छात्र प्रतिनिधि–सिमांता बिस्वास**

राजनीतिशास्त्र विभाग से सम्बद्ध सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक परिषद् 'संप्रभु' विद्यार्थियों के लिए समसामयिक मुद्दों पर अकादमिक एवं लाभप्रद गतिविधियों को सक्रियता से संचालित करने में सदैव संलग्न रहा है। परिषद् की ओर से 5 सितंबर 2017 को इस सत्र में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों के लिए स्वागत कार्यक्रम रखा गया। तदंतर 23 जनवरी 2018 को 'Social Media Creates Myth' विषय पर एक अंतरमहाविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से आए 22 विद्यार्थियों ने अपना पक्ष रखा। अंत में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। यह विभाग के लिए प्रतिष्ठा और सम्मान की

बात है कि इस सत्र में 21 फरवरी 2018 को 'Challenges to Development Policy within a Neo-Liberal Framework' विषय पर आयोजित व्याख्यान में University of Saskatchewan, Canada के राजनीतिशास्त्र विभाग के Prof. Kalowatie Deonandan को सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने वक्तव्य में विकास और लोकतंत्र की असली तस्वीर को प्रस्तुत किया एवं अन्य परिप्रेक्ष्यों का गंभीर विश्लेषण करते हुए यह भी बताया कि किस प्रकार विकास के उद्देश्यों को पूरी दुनिया और विशेषकर विकासशील देशों में हासिल की जा सकती है। सत्र के अंत में तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत परिषद्

संयोजक–डॉ. सत्यकाम शर्मा **सचिव–हिमांशु सिंह**

इस वर्ष संस्कृत परिषद् की ओर से सत्र के प्रारंभ में संस्कृत अकादमी, झंडेवालान के सभागार में 6 अगस्त 2017 को संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में एक संस्कृत नाटक का मंचन किया गया। 11 नवंबर 2017 को दिल्ली संस्कृत अकादमी के सहयोग से राज्य–स्तरीय संस्कृत अक्षर श्लोक पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 29 जनवरी 2018 को आर्य विद्या सभा, डी.ए.वी. प्रबंधकतृ समिति द्वारा कॉलेज में नैतिक शिक्षा प्रतियोगिता परीक्षा (2017–18) का आयोजन किया गया। 5 फरवरी 2018 को कॉलेज के सांस्कृतिक उत्सव 'फलक' में अंतरमहाविद्यालय संस्कृत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस सत्र में संस्कृत परिषद् के द्वारा 23–24 मार्च को 'वेदों में कला एवं विज्ञान' विषय पर दो–दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से अधिक प्रतिभागियों ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम को पूर्णतः सफल बनाया। इस अवसर पर पी.जी.डी.ए.वी. प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यपाल डॉ. टी. एन. चतुर्वेदी और नासा के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. ओमप्रकाश पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए एवं श्रोताओं को संबोधित किया। आयोजन के मध्य 'वेदों में कला एवं विज्ञान' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न संस्थाओं से पधारे विद्वान् वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए, जिनमें डॉ. मृगेंद्र विनोद, पद्मश्री डॉ. रमाकांत शुक्ल, प्रो. रमेशचंद भारद्वाज प्रमुख थे। परिषद् के द्वारा आयोजित उपर्युक्त कार्यक्रमों में प्राचार्य, डॉ. आर. के. गुप्ता, शिक्षक प्रभारी, डॉ. सत्यकाम शर्मा, श्री योगेश शर्मा, डॉ. अंकुर त्यागी, डॉ. राजेश कुमार, सुश्री श्रुति शर्मा एवं परिषद् से जुड़े विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा।

हिन्दी साहित्य सभा

संयोजक–डॉ. अनिल कुमार सिंह **छात्र प्रतिनिधि–शिवा भारद्वाज**

सत्र के आरंभ में साहित्य सभा के अधीन 1 सितंबर 2017 को व्यावसायिक उद्यमों की कार्य–पद्धति एवं उनके विज्ञापनों में हिंदी भाषा के उपयोग की पड़ताल के लिए दिल्ली के पटपड़ गंज में स्थित मदर डेयरी के दुग्ध उत्पादन केंद्र और उसी दिन देश के संसद में स्थित पुस्तकालय एवं संग्रहालय के दर्शन के लिए एक अकादमिक यात्रा का आयोजन किया

गया, जिसमें डॉ. रूक्मिणी, डॉ. राजकुमारी पांडेय, डॉ. आशा रानी, डॉ. ओंकार लाल मीणा और डॉ. अनिल कुमार सिंह के साथ चालीस विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अकादमिक अध्ययन यात्रा का सबसे रोचक पड़ाव संसद–संग्रहालय का अवलोकन रहा, जहाँ सभी सहभागियों ने देश के 'संविधान' का साक्षात् दर्शन किया एवं वहाँ कार्यरत कर्मचारियों के माध्यम से उस पुस्तक के संरक्षण के बारे में जाना। हिन्दी साहित्य सभा के द्वारा 5 सितंबर 2017 को हिन्दी प्रतिष्ठा के प्रथम वर्ष में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। विभाग के सभी विद्यार्थियों को प्रतियोगी–परीक्षाओं के अनुकूल बनाने के लिए इस सत्र में तीन–स्तरीय साहित्यिक प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन को तीन चरणों में संपन्न किया गया, जिसके प्रथम चरण में 50 विद्यार्थियों ने वस्तुनिष्ट प्रश्नों की लिखित परीक्षा में भाग लिया। इस परीक्षा के द्वारा दूसरे चरण के लिए 30 विद्यार्थियों का चयन किया गया और अक्टूबर महीने में उन सबकी अपेक्षाकृत गंभीर प्रश्नों से युक्त वस्तुनिष्ठ प्रश्न–आधारित लिखित परीक्षा ली गई। इस प्रकार अंतिम चरण के लिए दो सदस्यीय सात टीमों का चयन किया गया और 10 नवंबर 2017 को पी.पी.टी. आधरित मौखिक परीक्षा का संयोजन किया गया। अंत में तीन श्रेष्ठ टीमों को प्रमाण–पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। उसी दिन हिंदी के पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानी 'पूस की रात' पर बनी फिल्म का प्रदर्शन किया गया। तदंतर साहित्य सभा के तहत विद्यार्थियों की पुस्तकों के प्रति रूचि परिष्कार के लिए 9 जनवरी 2018 को चार प्राध्यापक एवं पचास विद्यार्थियों ने विश्व पुस्तक मेले का भ्रमण किया, जिसमें विद्यार्थियों को हिंदी के विभिन्न प्रकाशनों के बारे में उनके स्टॉल पर जाकर बताया गया। अकादमिक आयोजन की श्रृंखला में इस बार हिंदी साहित्य सभा ने भारत सरकार की संस्था वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, केंद्रीय हिंदी निदेशालय और हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी के संयुक्त सहयोग से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर 21 फरवरी 2018 को 'राष्ट्रीय संस्कृति एवं मातृभाषा' विषय के अंतर्गत एक परिचर्चा का आयोजन किया, जिसमें देश के 13 चर्चित भाषाविद एवं साहित्यकार सम्मिलित हए। उन्होंने अपने वक्तव्य में देश की संस्कृति और जन–जन में व्याप्त मातृभाषा के स्वरूप तथा जीवन में उसके महत्त्व को श्रोताओं के सम्मुख अभिव्यक्त किया। सत्र के अंत में 21 अप्रैल को तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक परिषद्

संयोजिका–डॉ. पलविन्दर कौर **छात्र प्रतिनिधि–हर्षिता सिंह**

हमारे कॉलेज के सांस्कृतिक परिषद् का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना है। अपनी इसी अवधारणा के तहत सांस्कृतिक–परिषद् पूरे साल विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है एवं श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत करता है। इस साल भी 25 अगस्त 2017 को प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'टैलेन्ट हंट' का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में 'मिस यूनाइटेड नेशन्स' अमीषा चौधरी आमंत्रित थीं। इस अवसर पर पधारी अमीषा

चौधरी जी ने कॉलेज को कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की मेधा और सृजन–शक्ति को उभारने के लिए ऐसे मौके अधिक से अधिक दिए जाने चाहिए। इस आयोजन में नृत्य, संगीत, अभिनय, रंगोली, वाद–विवाद, साहित्यिक सर्जना आदि गतिविधियों से जुड़ी प्रतियोगिताओं के जरिए वैयक्तिक योग्यता को परख कर विद्यार्थियों को पुरस्कृत एवं उत्साहित किया गया।

इस बार परिषद् और स्पिक मैके के संयुक्त प्रयास से कॉलेज के ऑडिटोरियम में 12 अक्टूबर 2017 को देश–विदेश में चर्चित कत्थक नृत्यांगना श्रीमती गौरी दिवाकर जी के द्वारा शानदार नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसे देखकर सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। नृत्य प्रस्तुति के साथ–साथ उन्होंने कत्थक नृत्य से जुड़े अनुशासन, विविध भंगिमाओं एवं नृत्य की जीवन में उपयोगिता आदि को भी विस्तार से बताया।

कॉलेज के द्वारा उत्कृष्ट शिक्षा के साठ वर्ष पूरे किए जाने के विशेष अवसर पर परिषद् की ओर से 5-6 फरवरी 2018 को केंद्रीय विषय 'मानवता परम धर्म है' के तहत 18वें वार्षिक उत्सव 'फलक' का आयोजन पूरे हर्षोलास एवं उत्साह के साथ किया गया, जिसमें परिषद् के परिश्रमी विद्यार्थियों ने अपनी सृजनशीलता से कॉलेज प्रांगन को सजाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में दो प्रसिद्ध कथक नृत्यांगानाओं–नलिनी जी और कमलिनी जी को आमंत्रित किया गया था। श्रीमती नलिनी जी ने अपने ओजस्वी भाषण में कला और संस्कृति को प्रत्येक मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए विद्यार्थियों को अपनी रूचि और प्रतिभा के अनुसार कार्य–क्षेत्र चुनने के लिए प्रेरित किया। रंगोली, पोस्टर मेकिंग, अन्ताक्षरी, वाद–विवाद, रचनात्मक लेखन, श्लोकोच्चारण, क्विज, समूह–चर्चा, एकल एवं सामूहिक नृत्य (लोक और पाश्चात्य), संगीत, बैटल ऑफ बैंड, फैशन–शो, स्ट्रीट डांस आदि कुल 16 प्रकार की प्रतियोगिताओं पर आधारित इस दो दिवसीय आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से आए 150 से अधिक प्रतियोगियों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। सर्वोत्तम प्रस्तुतियों पर प्रतियोगियों की प्रशंसा हुई और अंत में उन्हें प्रमाण–पत्र एवं नकद पुरस्कार दिए गए। परिषद् के द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों में सांस्कृतिक परिषद् के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भरपूर सहयोग दिया। उत्साहपूर्ण एवं सफल आयोजन के लिए प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता एवं परिषद् की संयोजिका श्रीमती पलविंदर कौर ने सबको हार्दिक धन्यवाद दिया।

कॉलेज प्लेसमेंट सेल

संयोजिका–डॉ. मृदुला अरोड़ा एवं डॉ. अनीता बजाज

यद्यपि यह रोजगार के लिए कठिन संघर्ष और संकट का दौर है, फिर भी इस प्रकोष्ठ के अथक प्रयासों से कॉलेज के विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई कंपनियों को आमंत्रित किया गया। सुखद संयोग यह है कि इन सभी प्रतिस्पर्धात्मक बाधाओं से निपटते हुए हमारे विद्यार्थियों ने रोजगार क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलताएँ अर्जित की। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए उत्साहवर्धन के साथ–साथ साक्षात्कार की प्रक्रिया को

समझने में भी लाभकारी सिद्ध हुआ। 12 अक्टूबर 2017 को विद्यार्थियों के रोजगार नियोजन के लिए Concentrix का आयोजन किया गया, जिसमें 37 प्रतिभागियों ने 'आशय–पत्र' (Letter of Intent) प्राप्त किया। बाद में 6 नवंबर 2017 को प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 'प्रशिक्षण–मेला' का आयोजन किया गया, जिसमें पाँच कंपनियों ने कुल 160 विद्यार्थियों को प्रशिक्षु के रूप में चुना। चयनित प्रशिक्षुओं का विवरण इस प्रकार है–Arcus-55, Red Carpet-54, Nest-Keys-38, Pax Technology-8 और Eat My News-5। इसी क्रम में 15 मार्च 2018 को आयोजित रोजगार–शिविर में 14 विद्यार्थियों का चयन हुआ। 3 अप्रैल 2018 को ICICI बैंक और 6 अप्रैल 2018 को Stocks and Services Management के द्वारा कुछ विद्यार्थियों को चयनित किया गया।

आपदा प्रबंधन समिति

संयोजक–डॉ. सुरेश चन्द्र शर्मा **छात्र प्रतिनिधि–त्रिषा चुग**

कॉलेज में आपदा प्रबंधन समिति का गठन आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए किया गया है। इस समिति के प्रयास से पूरे साल कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी और विद्यार्थी सहित सभी लोगों को प्राकृतिक आपदाओं की कठिन परिस्थितियों में शून्य जोखिम और न्यूनतम क्षति के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। समय–समय पर आपदा प्रबंधन समिति की ओर से एक आपदा समूह बनाकर उनके लिए विभिन्न प्रकार के कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिनमें प्राकृतिक आपदाओं के प्रकार (भूकंप, बाढ़, सूखा, रेल–दुर्घटना आदि) और उनके स्वरूप के बारे में विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया जाता है। उन्हें इन आपदाओं के समय सहायता, प्राथमिक चिकित्सा, सुरक्षा आदि मुहैया कराने के प्रायोगिक पक्ष के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है। इस समिति के द्वारा 4 अप्रैल 2018 को एक डेमो दिया गया, जिसमें आग लगने की स्थिति से निपटने का अभ्यास कराया गया। समिति के स्वयंसेवकों और प्राध्यापकों ने अपना पूर्ण सहयोग देकर कॉलेज से सभी लोगों को बाहर निकालने का औचक अभ्यास किया। इस औचक अभ्यास के बाद विविध प्रकार के आपदाओं के स्वरूप को स्पष्ट किया गया एवं आपदा की स्थितियों से निपटने और जानमाल की हानि को रोकने से संबंधित पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कंप्यूटराइजेशन एंड ऑटोमेशन समिति

संयोजिका–श्रीमती अश्मा भाटिया

कॉलेज में 2017–18 सत्र के सभी विद्यार्थियों को RFID कार्ड उपलब्ध कराया गया है, जो पहचान–पत्र के साथ–साथ पुस्तकालय, कैंटीन, जेरोक्स–केंद्र आदि से जुड़े भुगतान के लिए प्रयुक्त होने वाली कई सुविधाओं से युक्त है। इस समिति के द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के आदेशानुसार विद्यार्थियों को 'भीम–एप्प' से संबंधित जानकारी दी गई। समिति ने कॉलेज की हीरक जयंती के उपलक्ष्य में 'LEARN N WIN' विषय पर ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया, जिसमें महर्षि दयानंद सरस्वती की जीवनी पर बनी फिल्म को प्रदर्शित करके उनसे

जुड़े प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता के अंत में जीत हासिल करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए एवं उनके RFID कार्ड में पुरस्कार–राशि को हस्तांतरित कर दी गई।

पर्यावरण परिषद् 'सृष्टि'

संयोजक–श्री रमेश कुमार **छात्र प्रतिनिधि–पंकज**

कॉलेज में मनोनीत पर्यावरण परिषद् एक सक्रिय समूह है जो कॉलेज परिवार के सहयोग से प्रत्येक व्यक्ति, विशेषकर विद्यार्थियों में पर्यावरण के संबंध में जागरूकता एवं संवेदना पैदा करने के लिए निरंतर विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता है। आज पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है। इस कठिन काल में प्रत्येक मनुष्य को प्रकृति के अनुरूप जीने का प्रण लेना होगा। इस भावना से प्रेरित होकर परिषद् के द्वारा विद्यार्थियों को लीक से हटकर सृजन करने एवं अंतर अनुशासनिक कार्य–पद्धति को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस वर्ष कॉलेज में 5 जून 2017 को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया, जिसका केंद्रीय विषय 'प्रकृति से जुड़ें' (Connect with Nature) रखा गया था। इस आयोजन को स्मरणीय बनाने एवं प्रकृति के संरक्षण के लिए प्राचार्य जी एवं परिषद् सद्स्यों के द्वारा कॉलेज परिसर में तुलसी, आम, एवं गुलमोहर का पौध लगाया गया। तत्पश्चात प्राचार्य जी ने समूह को संबोधित करते हुए मनुष्य के जीवन में पर्यावरण के महत्त्व एवं पर्यावरण–संरक्षण के विविध पक्षों पर अपने विचार व्यक्त किए। परिषद् के द्वारा 6 अप्रैल 2018 को कॉलेज के इतिहास में पहली बार अंतरमहाविद्यालय वार्षिक उत्सव 'सृष्टि चिंतन' का आयोजन किया गया। इसमें Green Quest, Green Flyer, Graffiti War, Green Sabha, Environmental Treasure नामक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें 20 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह सुबह से शाम तक पूरे उत्साह एवं हर्ष के साथ सफलतापूर्वक मनाया गया।

आंतरिक शिकायत समिति

पीठासीन अधिकारी–डॉ. मीता भटनागर

आंतरिक शिकायत समिति कॉलेज की एक विशेष समिति है, जिसका गठन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारत सरकार के द्वारा अधिनियम 2013 की धारा 41 के अनुसार किया गया है। इस समिति का मुख्य कार्य महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से जुड़े मामलों का निवारण, प्रतिषेध और प्रतिकार है। कॉलेज में इस समिति की कार्यकुशलता, सद्भावपूर्ण व्यवहार एवं सतर्कता के कारण एक ऐसी सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ कि इस प्रकार की किसी भी शिकायत या कोई घटना समिति के संज्ञान में नहीं आई।

महिला विकास प्रकोष्ठ

संयोजिका–डॉ. रुक्मिणी

महिला विकास प्रकोष्ठ का आरंभ पिछले सत्र में किया गया था। इस प्रकोष्ठ का

मुख्य उद्देश्य नारी सशक्तिकरण के लिए छात्राओं में साहस, आत्म–विश्वास, आत्म–सुरक्षा, आत्म–सम्मान के भाव एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। प्रकोष्ठ के द्वारा उपर्युक्त उद्देश्य को ध्यान में रखकर निरंतर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस सत्र में 13 अक्टूबर 2017 को सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता श्रीमती मोनिका अरोड़ा ने 'घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा' विषय पर व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों एवं अन्य श्रोताओं के समक्ष इस मुद्दे से संबद्ध कानूनी प्रावधानों की चर्चा की। फिर 31 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से 'महिलाओं के कानूनी अधिकार' विषय पर रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें घरेलू हिंसा, मजदूरी एवं श्रम, मूल अधिकार एवं कर्त्तव्य और स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा दी गई शिक्षा आदि उप–विषयों पर 167 विद्यार्थियों के लेख प्राप्त हुए। 7 नवंबर 2017 को प्रतियोगिता के समापन समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा ललिथा कुमार मंगलम ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किया।

प्रकोष्ठ ने दिल्ली पुलिस के सहयोग से 7 से 15 फरवरी 2018 तक कॉलेज से संबद्ध सभी महिलाओं के लिए दिल्ली पुलिस की कुशल प्रशिक्षिकाओं के निर्देशन में एक 'आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर' का आयोजन किया, जिसमें 100 से अधिक छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं ने आत्म–सुरक्षा का प्रशिक्षण लिया। 12 फरवरी को 'शिक्षित नारी : सशक्त राष्ट्र' विषय पर पोस्टर–मेकिंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 25 विद्यार्थियों ने हिस्सा लेते हुए सशक्त नारी की परिभाषा को शब्द, रंग एवं चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। 15 फरवरी को शिविर के समापन दिवस पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ए.सी.पी. श्रीमती लक्ष्मी दुबे (जुबेनाइल सिक्योरिटी सेल, दिल्ली) ने छात्राओं को पुलिस के प्रति सकारात्मक व्यवहार के लिए प्रेरित किया तथा विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया। इसी कड़ी में 26 फरवरी 2018 को कॉलेज में 'जेंडर फेयर' लगाया गया, जिसमें गूंज, सखा कैब, तिहाड़ जेल आदि ने अपने स्टॉल लगाए। इसी दिन प्रकोष्ठ ने IQAC प्रकोष्ठ के साथ मिलकर 'जेंडर विषय' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता प्रसिद्ध समाज–सेवी श्रीमती सृष्टि थीं और उन्होंने अपने वक्तव्य में सुगठित समाज के निर्माण के लिए स्त्री–पुरुष की समानता को आवश्यक बताया। प्रकोष्ठ ने 14 मार्च 2018 को 'भारतीय संस्कृति एवं युवा चिंतन' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें आमंत्रित विषय विशेषज्ञ दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मी बाई कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रत्यूष वत्सला एवं डी.ए.वी. कॉलेज, फरीदाबाद के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ज्योति राणा ने अपने ओजस्वी भाषण दिए और विद्यार्थियों को भारत की गौरवशाली संस्कृति से अवगत कराया।

अनुसूचित जाति–जनजाति प्रकोष्ठ

नोडल अधिकारी–डॉ. ओंकार लाल मीणा

इस प्रकोष्ठ की ओर से पूरे सत्र में अनुसूचित जाति–जनजाति से जुड़े प्रत्येक संवेदनशील मुद्दों को परस्पर सहयोग के द्वारा सुलझाया गया। भारत सरकार की राष्ट्रीय छात्रवृत्ति एवं

आर्थिक सहायता योजना के अंतर्गत इस साल प्रकोष्ठ के द्वारा 25 विद्यार्थियों के नाम मंत्रालय में प्रेषित किए गए। इसके अतिरिक्त अन्य सरकारी एवं गैर–सरकारी सहायता समूहों द्वारा संचालित आर्थिक सहायता एवं शुल्क–माफी योजना के जरिए विद्यार्थियों को सहायता प्रदान की गई। साथ ही समाज में पिछड़े इन विद्यार्थियों को वर्ष भर औपचारिक-अनौपचारिक विचार–मंचों के माध्यम से विभिन्न पात्रता परीक्षा, व्यवसायिक विषयों के महत्त्व, कौशल-संवर्धन, उच्च-अध्ययन एवं शैक्षणिक संभावनाओं के संदर्भ में यथोचित निर्देशन एवं मार्गदर्शन किया गया।

गरीब छात्र कल्याण समिति

संयोजक–श्री जसपाल सिंह

गरीब विद्यार्थी कल्याण समिति का गठन समाज में आर्थिक दृष्टि से विपन्न किन्तु शिक्षा के प्रति गंभीर एवं योग्य विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए किया गया है। सत्र 2017–18 के मध्य कुल 186 विद्यार्थियों ने प्राप्तांक, परिवार की वार्षिक आय, योग्यता आदि से जुड़े आवश्यक प्रमाण–पत्रों के साथ आवेदन किया और समिति के प्राध्यापकों द्वारा जाँच–पड़ताल के बाद 115 विद्यार्थियों को योग्य पाया गया। यद्यपि आर्थिक सहायता के लिए विद्यार्थियों के परिवारों की आर्थिक स्थिति को सर्वोपरि माना गया, किंतु प्रत्येक विद्यार्थी को उनकी अकादमिक उपलब्धियों, कक्षा में उपस्थिति एवं अन्य गतिविधियों में उनकी सहभागिता आदि का मूल्यांकन करते हुए, उनमें से 94 विद्यार्थियों को ₹ 1000 से ₹ 4000 तक की आर्थिक सहायता के अंतर्गत कुल ₹ 3,54,080 की राशि वितरित की गई। कॉलेज के एक खिलाड़ी को योगासन के मध्य दुर्घटना के कारण शल्य–चिकित्सा से गुजरना पड़ा था, इसलिए मानवीय आधार पर उसके पूरे शुल्क की प्रतिपूर्ति का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त कॉलेज प्रशासन की सलाह से सेना और पैरा–मिलिटरी में सेवारत परिवार से संबद्ध 20 विद्यार्थियों को ₹ 5500 की सहायता राशि प्रदान की गई।

परिपूरक पाठ्यक्रम प्रकोष्ठ (ऐड ऑन कोर्सेस सेल)

संयोजिका–श्रीमती गीता अहूजा **समन्वयक–डॉ. मीना शर्मा (कानूनी जागरूकता)**

हमारे महाविद्यालय में औपचारिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कई परिपूरक पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित किए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों की नैसर्गिक प्रतिभा और उनके सृजनात्मक कौशल को उभारकर उनके व्यक्तित्व को निखारा जा सके एवं उन्हें रोजगारोन्मुख बनाया जा सके। इस महती लक्ष्य को आधार बनाकर इस सत्र में 'Legal Awareness', 'Accounting Using Tally-2', 'Sanskrit Sambhashan', 'Travel Management' पाठ्यक्रमों को सफलता पूर्वक संपन्न किया गया।

डॉ. मीना शर्मा के नेतृत्व में 'Legal Awareness' के 50 विद्यार्थियों से युक्त तीसरे बैच का आरंभ सितंबर 2017 में हुआ। इसके उद्घाटन के अवसर पर दक्षिणी पूर्व दिल्ली के जिला न्यायालय के न्यायाधीश ने इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत विद्यार्थियों को कानून के

बुनियादी पहलुओं एवं उनके महत्त्व से अवगत कराया। इस पाठ्यक्रम में कुल दस कक्षा–सत्रों की व्यवस्था की गई। साथ ही विद्यार्थियों को न्यायालय परिसर में भ्रमण की व्यवस्था करवाकर न्यायालय की कार्य–प्रणाली के बारे में विस्तार से समझाया गया। इसी क्रम में उन्हें अध्ययन के लिए तिहाड़ कारागार की यात्रा भी करवाई गई, ताकि वे जेल में बंद कैदियों की जीवन–शैली और उनकी मानसिकता का सूक्ष्म अध्ययन कर सकें। बाद में इन विद्यार्थियों को पैरा–लीगल स्वयंसेवक भी बनाया गया, जिसके अंतर्गत उन्होंने ओखला, श्रीनिवासपुरी, गोविन्दपुरी, कालकाजी आदि जगहों पर स्थित झोपड़–पट्टियों में जाकर वहां के निवासियों को मुफ्त कानूनी सलाह के बारे में बताया। इन विद्यार्थियों के द्वारा 'पुस्तक मेले' और 'व्यापार मेले' में मुफ्त कानूनी सलाह से संबंधित विषयों पर नुक्कड़ नाटक भी प्रदर्शित किए गए। पुनः फरवरी 2018 में इस पाठ्यक्रम के चौथे बैच का शुभारंभ किया गया, जिसमें 50 छात्रों ने पंजीकरण करवाया। संस्कृत एड ऑन पाठ्यक्रम के अंतर्गत 21 फरवरी से 19 मार्च 2018 तक संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया गया। इसके समापन कार्यक्रम में 20 मार्च 2018 को मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. परमेश कुमार ने सारगर्भित भाषण दिया।

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ

संयोजिका–श्रीमती सोनिया ढींगरा

एक वर्ष पूर्व कॉलेज में इस प्रकोष्ठ की शुरुआत हुई थी। हमारे महाविद्यालय को भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अधीन संचालित प्रधानमंत्री युवा योजना के लिए चुना गया है। इस योजना में ऑनलाइन औपचारिक शिक्षा का प्रावधान है, जिसमें चार मोड्यूल्स हैं और प्रत्येक मोड्यूल्स 30 घंटे की अवधि का है। इस पाठ्यक्रम के लिए हाल ही में नोएडा स्थित NIESBUD से दो प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत कॉलेज में 50 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। प्रकोष्ठ के द्वारा 26, फरवरी 2018 को एक अंतरमहाविद्यालय 'व्यवसाय योजना प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इसमें दो सदस्यीय 10 टीमों ने हिस्सा लिया और अपने भावी व्यवसाय की योजनाओं से संबंधित विचार, व्यापारिक–रणनीति और उसके सामाजिक योगदान को श्रोताओं के मध्य रखा। अंत में विजेताओं को प्रमाण–पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

मीडिया प्रकोष्ठ

संयोजक–डॉ. हरीश अरोड़ा

कॉलेज के मीडिया प्रकोष्ठ के द्वारा 9 मार्च 2018 को एक राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. हरीश अरोड़ा ने मंच संचालन किया और श्री सत्यदेव हरियाणवी, श्री महेंद्र शर्मा, श्री राधाकान्त, श्री अनूप पांडेय, सुश्री सुमेधा शर्मा तथा सुश्री सोनल ने काव्य पाठ किया। मीडिया प्रकोष्ठ के द्वारा दिनांक 26–27 अप्रैल 2018 को 'मीडिया, साहित्य और राष्ट्रवाद' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में हिंदी साहित्य और पत्रकारिता के विशेषज्ञ प्रो. अच्युतानंद मिश्र,

प्रो. के. जी. सुरेश, श्री सच्चिदानंद जोशी, प्रो. कुमुद शर्मा, प्रो. अरुण भगत, प्रो. अवनिजेश अवस्थी, प्रो. पूरणचंद टंडन, प्रो चंदन चौबे, श्री आशीष कंधवे आदि अपने विचार रखेंगे।

आंतरिक गुणवत्ता प्रमाणन प्रकोष्ठ

अध्यक्ष–डॉ. आर.के. गुप्ता **समन्वयक–डॉ. संजय कुमार**

कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता प्रमाणन प्रकोष्ठ (IQAC) का गठन 2015–16 सत्र में किया गया था। कॉलेज प्रशासन की प्रेरणा एवं नेतृत्व में यह प्रकोष्ठ 'नैक पीयर टीम' के दिशा निर्देशों पर कार्य करते हुए कॉलेज के गुणात्मक सुधार में प्रयासरत है और समय–समय पर कॉलेज के हित में उचित सुझाव देता है।

सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ

संयोजिका–श्रीमती रेणुका धर बजाज

कॉलेज में सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ के गठन का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में समाज के लिए सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के लिए दायित्व–बोध विकसित करना है। इस प्रकोष्ठ के द्वारा यह भी प्रयास किया जाता है कि विद्यार्थी अपने देश की संपन्न संस्कृति और परंपरा के प्रति सचेत रहे। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर इस सत्र में प्रकोष्ठ के द्वारा दिनांक 27 सितंबर 2017 को 'Revisiting the Glorious Past of Jammu and Kashmir' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात कार्यकर्त्ता श्री सुशील पंडित को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने अपने वक्तव्य में जम्मू और कश्मीर के सुनहरे इतिहास का दिग्दर्शन कराया और भारतीय संस्कृति के निर्माण में वहाँ के महापुरुषों के योगदान से श्रोताओं को अवगत कराया। तदंतर 7 फरवरी 2018 को स्वामी दयानंद सरस्वती के महत्वपूर्ण कथन 'अज्ञानता के अंधेरे से ज्ञान के प्रकाश की ओर' विषय पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 20 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुनः स्वामी दयानंद सरस्वती के जन्मदिवस को धूमधाम से मनाने के लिए संस्कृत विभाग के साथ मिलकर 'महर्षि दयानंद और वेद' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध वेदाचार्य डॉ. नरेंद्र वेदालंकार ने प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के समक्ष वेदों के विविध पहलुओं पर सारगर्भित विचार व्यक्त किया और स्वामी दयानंद सरस्वती के वेद संबंधी विचार और उपदेशों के माध्यम से उनके सामाजिक योगदान को रेखांकित किया। फिर हिन्दू नव वर्ष के उपलक्ष्य में प्रकोष्ठ के द्वारा 'विक्रमी संवत की वैज्ञानिकता एवं प्रासंगिकता' विषय पर एक संभाषण कराया गया। हिंदी और संस्कृत विभाग के साथ मिलकर प्रकोष्ठ के अधीन पुनः 19 मार्च 2018 को श्री ब्रजेन्द्र त्रिपाठी जी का व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नाट्य समिति 'नेपथ्य'

संयोजिका–डॉ. कृष्णा शुक्ला

दो वर्ष पूर्व सांस्कृतिक परिषद् से पृथक होकर स्वतंत्र नाट्य समिति अस्तित्व में आई थी। इस समिति के द्वारा 5 मार्च 2018 को एक दिवसीय नाट्य–उत्सव 'पुकार' का आयोजन किया गया, जिसमें नुक्कड़ नाटक, एड मैड, मोनो–एक्ट और डांस इट बैड प्रतियोगिताओं को सम्मिलित किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों से संबद्ध नुक्कड़ नाटकों की 45 टीमों ने पंजीकरण करवाया और उनमें से 10 टीमों को प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया। इस साल पहली बार प्रथम वर्ष में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों में से 'रंग–प्रतिभा' की खोज के लिए 'तलाश–ए–रंगकर्मी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समिति ने नेपथ्य के कर्मठ रंगकर्मियों को दो नाटकों– 'युवा–ह' और 'बदलती रिवायतें' एवं एक स्टेज प्ले 'ऑथेलो' को तैयार करवाया। नेपथ्य टीम ने 30 विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिनमें से कुछ का विवरण इस प्रकार है– अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली, साहित्य रत्न परिषद्, सागर नागपाल नुक्कड़ नाटक मेमोरियल, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र, पी. के. पाहुजा फाउंडेशन ट्रस्ट, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, मंथन 2018 चावड़ी बाजार आदि। नाट्य समिति ने खेतान थियेटर ग्रुप के साथ मिलकर एक दिवसीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन भी किया। नेपथ्य से जुड़े कुछ विद्यार्थियों का चयन प्रसिद्ध नाटककार बाबा साहब पुरंदरे द्वारा रचित नाटक 'राजा शिव छत्रपति, ऐतिहासिक गौरव गाथा' में अभिनय के लिए किया गया, जिसका मंचन 6–10 अप्रैल 2018 को लाल किले में किया गया। मंचन के उपरांत इन विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र एवं नकद पुरस्कार प्राप्त हुए।

फिल्म एप्रीसिएशन समिति

संयोजक–श्री अनिल कुमार

कॉलेज में इस इकाई का गठन समाज और राष्ट्र–निर्माण से जुड़ी छोटी–बड़ी सभी प्रकार की किंतु प्रेरक फिल्मों को विद्यार्थियों के बीच प्रदर्शित करने के लिए किया गया है। इस समिति के द्वारा सबसे पहले 25 जनवरी 2018 को देश–भक्ति, आत्म–उत्सर्ग और वीरता से पूर्ण 'लक्ष्य' फिल्म दिखाई गई। पुनः 22 फरवरी को 'इरादा' और 24 फरवरी 2018 को आधुनिक विश्व सिनेमा में बहुचर्चित फिल्म 'The Man Who Knew Infinity' दिखाई। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों में समाज, विज्ञान, मादक–द्रव्य, नशा–उन्मूलन, पर्यावरण आदि मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने के लिए विविध प्रकार के वृतचित्रों को भी दिखाया गया।

अपशिष्ट प्रबन्धन समिति

संयोजिका–डॉ. ज्योत्सना प्रभाकर

यह समिति कॉलेज में बचे रद्दी कागज, व्यर्थ भोजन, जैविक अवशेष और खराब पड़े इलेक्ट्रोनिक उपकरणों के अनुशासित निस्तारण का कार्य करती है। पिछले साल कॉलेज ने कागज के उचित प्रबंधन के लिए 'जागृति'नामक Waste Paper Recycling Services के

साथ समझौता किया था। इस सत्र में 27 अगस्त 2017 से 'जागृति' ने प्रयुक्त हो चुके कागज को इकठ्ठा करना शुरू किया और अब तक कुल 1250.68 किलो कागज वे ले जा चुके हैं, जो पिछले साल (1206.84 किलो) की तुलना में अधिक है। इस रद्दी कागज के बदले 'जागृति' ने कॉलेज को ए–4 साइज (70 ग्राम्स) के 90 रिम दिए। समिति के द्वारा कूड़े–कचरे के बेहतर ढंग से निपटारे के लिए स्टाफ रूम, कार्यालय, कंप्यूटर लैब में कूड़ेदान की व्यवस्था की गई है। बचे हुए भोजन, सूखे पत्ते आदि जैविक अवशेष के उचित एवं गुणकारी नियोजन के लिए कॉलेज में कंपोस्ट पिट का निर्माण किया गया है। जैविक अपशिष्ट के प्रभावकारी एवं त्वरित विघटन के लिए क्रमशः लखनऊ के एन.पी.बी. और गाजियाबाद के नेशनल सेंटर फॉर आर्गेनिक फार्मिंग से micro-organisms (EM) solution and powder प्राप्त किया गया। प्रोटोकॉल के अनुसार उपर्युक्त रसायनों का पिट में इकठ्ठा किए गए जैविक अपशिष्ट पर छिड़काव किया गया। समिति ने 23 जनवरी 2018 को 'Best out of Waste' विषय पर एक वार्षिक उत्सव का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने अभिनव प्रतिभा को उजागर करते हुए रोजमर्रा के जीवन में प्रयुक्त होने वाले एवं कचरे से निर्मित वस्तुओं के मॉडल प्रदर्शित किए। अंत में होनहार विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।

चिकित्सा समिति

संयोजिका–डॉ. अनीता बजाज

इस सत्र में चिकित्सा समिति कॉलेज के द्वारा उत्कृष्ट शिक्षा के साठ वर्ष पूरे करने के उपलक्ष्य में स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित आर्य समाज के मूल दर्शन 'सबका कल्याण' पर आधरित विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। प्राचीनतम ज्ञान के स्रोत वेद प्रत्येक व्यक्ति को आत्मिक बल प्रदान करते हैं। इस मूल मंतव्य को ध्यान में रखकर समिति ने डॉ. जया मोहन को आंतरिक सलाहकार के रूप में रखा, जो गोपनीयता के साथ मानसिक परेशानियों का निदान करती हैं। इस उद्देश्य की पहली कड़ी में 13 फरवरी 2018 को डॉ. जया मोहन ने 'How to Effectively Improve IQ and EQ' विषय पर लोगों को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने IQ और EQ के बीच के संबंधों की चर्चा करते हुए इन्हें सुदृढ़ बनाने की तकनीकी के बारे में समझाया। सोशल मीडिया की बुरी लत और उसके विनाशकारी प्रभाव, नित्य व्यायाम, साधना, सामाजिक जुड़ाव, शारीरिक एवं मानसिक सदाचार के लाभ आदि का विश्लेषण करते हुए उन्होंने स्वस्थ, संतुलित एवं खुशहाल जीवन के रहस्य को श्रोताओं के समक्ष प्रस्तावित किया। तदंतर समिति के द्वारा 15 मार्च 2018 को 'AYURVEDA AND ALLOPATHY' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमे डॉ. अखिलेश शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने चिकित्सा विज्ञान में आयुर्वेद और एलोपैथी के अंतर, मानव शरीर के वात, कफ और पित्त दोष, भारतीय आयुर्वेद के पंचभूत सिद्धांत से विकसित आधुनिक अणुवाद आदि जटिल मुद्दों को स्पष्ट करते हुए संयुक्त उपचार शैली को विस्तार से बताया। अंत में उन्होंने आयुर्वेद को सर्वोत्तम ज्ञान और जीवन में पूर्णता प्राप्ति (मोक्ष) के लिए

आवश्यक घोषित किया। इन कार्यक्रमों के साथ–साथ चिकित्सा समिति ने कॉलेज में आयोजित होने वाले वार्षिक दिवस, खेल–दिवस और सांस्कृतिक–उत्सव आदि में एंबुलेंस की व्यवस्था करके आपात स्थितियों के प्रति लोगों को आश्वस्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

संयोजिका–डॉ. मीना शर्मा **छात्र प्रतिनिधि–मो. मोदस्सिर**

कॉलेज की यह इकाई पूरे साल विभिन्न सामाजिक सेवा योजनाओं में संलग्न रहती है। विद्यार्थियों में मानवोचित गरिमा के तहत् सेवा भावना का विकास करना एवं निरंतर समर्पित रहने की प्रेरणा प्रदान करना इस सेवा योजना का मूल उद्देश्य है, इसलिए हमारे इस सेवा समूह का उद्घोष वाक्य – NOT ME BUT YOU है। विश्वविद्यालय के दिशा निर्देशन में इस साल भी इस योजना के अंतर्गत सैकड़ों नए विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया। सत्र के आरंभ में उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया और सितंबर 2017 में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया, जिसमें प्रसिद्ध समाज–सेवी श्री रवि प्रकाश जी ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को समाज सेवा के महत्त्व एवं व्यक्तित्व निर्माण में उसकी भूमिका से अवगत कराया। अक्टूबर 2017 में समिति से जुड़े स्वयं–सेवकों ने कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण का कार्य किया एवं इसी कड़ी में 21 फरवरी 2018 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 65 प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। तदंतर कॉलेज में YOUTH FOR SEVA का आयोजन किया गया, जिसमें 110 विद्यार्थियों ने अपनी सेवाएं दी। 7 अप्रैल 2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के 'वार्षिक–उत्सव' का आयोजन किया गया, जिसमें ए.वी.पी. न्यूज चैनल के चर्चित कार्यक्रम 'सनसनी' के एंकर श्रीवर्धन त्रिवेदी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के दायित्वों से अवगत कराया। उन्होंने अपने ओजस्वी संबोधन में परोपकार से युक्त मानवीय गरिमा, अदम्य साहस और दृढ़–संकल्प को सर्वोपरि घोषित किया। इस प्रकार इस इकाई ने पूरे साल सक्रिय होकर कॉलेज में कार्य किया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

कार्यवाहक ए.एन.ओ.–श्री हरि प्रताप **एस.यू.ओ.–आयुष त्रिपाठी**

इस वर्ष कॉलेज की एन.सी.सी. यूनिट में 160 लड़के एवं 54 लड़कियों ने अपना पंजीकरण करवाया। श्री हरि प्रताप के निर्देशन और एस.यू.ओ. वैभव भटनागर एवं नमिता यादव के नेतृत्व में इस इकाई के कैडेट्स ने अनेक कैंप एवं कार्यक्रमों में उत्साह एवं अनुशासन के साथ हिस्सा लिया। जैसे– गणतंत्र दिवस कैंप, थल सेना कैंप, नेशनल इंटीग्रेशन कैंप, एडवांस लीडरशिप कैंप, आर्मी अटैचमेंट कैंप, वार्षिक ट्रेनिंग कैंप, पी. टी. ड्रिल, परेड, फायरिंग, अमर जवान ज्योति, प्रधानमंत्री रैली, मुख्यमंत्री रैली एवं अन्य शस्त्र शिक्षण–प्रशिक्षण आदि से जुडी गतिविधियां। कॉलेज के कैडेट्स ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, झंडा–दिवस, राष्ट्रीय एकता अभियान सहित करीब 20 राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के शिविरों में सम्मिलित होकर अहम भूमिका निभाई और राष्ट्रीय एकता के लिए पुरस्कार अर्जित किए। किरोड़ीमल कॉलेज, मिरांडा हॉउस, लेडी

श्रीराम कॉलेज, शिवाजी कॉलेज, गार्गी कॉलेज और अन्य कई महविद्यालयों के द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज की एन.सी.सी. टीम ने गार्ड ऑफ ऑनर, ड्रिल एवं सांस्कृतिक वर्ग की प्रतिस्पर्धाओं में कई पुरस्कार जीते।

पी.जी.डी.ए.वी. कंपनी का 29वाँ वार्षिकोत्सव 21 फरवरी 2018 को मनाया गया। इस उत्सव में गार्ड ऑफ ऑनर, मार्च पास्ट, सेक्शन अटैक, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग एवं अन्य कई वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं एवं बाद में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर पुरुष एवं महिला वर्ग के अंतर्गत कई महाविद्यालयों के कैडेट्स ने अपने प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कारों का वितरण किया गया। पूरे जोश के साथ आयोजित इस उत्सव का समापन एन.सी.सी. गीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। कॉलेज के द्वारा समय–समय पर आयोजित विविध कार्यक्रमों में हमारे कैडेट्स ने पूर्ण सहयोग दिया।

सेवी (SEVI- Student Association for Verbal Inraction)

संयोजक–सुरेश चन्द्र शर्मा **छात्र प्रतिनिधि–साहिल चौधरी**

इस विद्यार्थी समूह की शुरुआत प्राचार्य डॉ. आर.के. गुप्ता (संरक्षक) और डॉ. एस.सी. शर्मा (संयोजक) के संयुक्त निर्देशन में दो विद्यार्थियों के द्वारा 2016 में किया गया था। इस साल इस समूह में 64 विद्यार्थियों ने पंजीयन करवाया, जिनमें से 30 विद्यार्थियों को अंततः चुना गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वकृत्व क्षमता, निर्णय कौशल और समसामयिक जागरूकता के जरिए व्यक्तित्व का विकास करना है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को इंग्लिश स्पीकिंग, सामूहिक चर्चा, चिंतन सत्र, शब्द भंडार, साप्ताहिक समाचार वाचन, भाषण, वाद–विवाद सत्र, त्वरित अभिव्यक्ति, समूह–योजना, बिंब ग्रहण एवं विवेचन आदि व्यावहारिक गतिविधियों का अभ्यास प्रत्येक सप्ताह दो कक्षाओं (12 से 2 बजे तक) की व्यवस्था के द्वारा कराया जाता है। इस सत्र के लिए उपर्युक्त कक्षाओं की शुरुआत अगस्त 2017 में हो चुकी थी और अप्रैल 2018 तक कुल 48 कक्षाओं का आयोजन किया गया है।

सेवी के द्वारा 8 अक्टूबर 2017 को **'Just a minute'** अंतरमहाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के बीस महाविद्यालयों से कुल 28 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित अनुभवी आई.ए.एस. कोच एवं हॉस्पिटैलिटी उद्योग द्वारा श्रेष्ठ वक्ता के रूप में सम्मानित श्री आलोक कुमार जी ने विद्यार्थियों के समक्ष प्रेरक और उत्साहवर्धक व्याख्यान दिया। अंत में प्रतियोगिता में जीत दर्ज करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार दिए गए। तदंतर सेवी के द्वारा जनवरी 2018 में कॉलेज के सांस्कृतिक उत्सव 'फलक' के साथ 'तेजसः व्यक्तित्व समीक्षा' नामक त्रि–स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें क्विज, समूह–चर्चा एवं त्वरित अभिव्यक्ति प्रतिस्पर्धाओं को सम्मिलित किया गया था। इसमें विभिन्न महाविद्यालयों से लगभग 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं उनमें से सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

कॉलेज कैडेट कोर 'संकल्प'

संयोजक–डॉ. सुरेश चन्द्र शर्मा **छात्र प्रतिनिधि–शिवम**

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.के. गुप्ता एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एस.सी. शर्मा ने राष्ट्रीय कैडेट कोर की एकता, कार्यनिष्ठा एवं अनुशासन से प्रभावित होकर 7 जनवरी 2017 में कॉलेज कैडेट कोर 'संकल्प' का गठन किया था, जिसका विधिवत शुभारंभ 25 जनवरी 2017 को श्रीमती प्रतिभा आडवाणी के संबोधन के साथ हुआ। जो विद्यार्थी एन.सी.सी. में पंजीकरण से वंचित रह जाते हैं, उन्हें समान अवसर प्रदान करने के लिए संकल्प की शुरुआत की गई थी तथा इसमें भी एन.सी.सी. के नियमों एवं व्यवस्थाओं के साथ–साथ उसके मूल ध्येय एकता और अनुशासन की भावना का अनुपालन किया जाता है। संकल्प में 40 विद्यार्थी पंजीकृत हैं और प्रत्येक शनिवार को इन कैडेट्स को मिलिटरी एवं सेक्शन अटैक का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस सत्र में संचालित अभ्यास के मध्य 12 ड्रिल आयोजित किए गए। इन कैडेट्स ने कॉलेज के आपदा प्रबंधन में भरपूर सहायता की। 'संकल्प' और 'सेवी' के संयुक्त प्रयास से कई व्याख्यान आयोजित किए गए।

संकल्प के द्वारा कॉलेज में एक रात और दो दिन के एक कैंप का आयोजन भी किया गया, जिसमें कैडेट्स ने पूरे उत्साह के साथ 'रॉक क्लाइंबिंग, वृक्ष क्लाइंबिंग आदि में भाग लिया। 25 जनवरी 2018 को 'लक्ष्य' फिल्म दिखाई गई। डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. एस.सी. शर्मा और डॉ. हरीश अरोड़ा के निर्देशन में 28 से 31 मार्च 2018 तक उत्तराखंड के सुरम्य एवं प्राकृतिक दृष्टि से संपन्न पर्वतीय स्थल रामगढ़ (मर्चुला) में एक ट्रैकिंग–कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें उत्साह से भरे कैडेट्स ने पूर्ण अनुशासन एवं एकता का परिचय दिया।

शारीरिक शिक्षा समिति

संयोजक–डॉ. प्रमोद कुमार सेठी

2017–18 सत्र में खेल कोटे के अंतर्गत 14 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया है। कॉलेज में स्थित शारीरिक शिक्षा विभाग के द्वारा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के साथ–साथ उनके इच्छा–शक्ति को भी सुदृढ़ एवं प्रबल बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया जाता है एवं यथोचित खेल–सुविधाएं, छात्रवृत्ति आदि प्रदान की जाती है। शारीरिक शिक्षा विभाग के विविध खेलों से जुड़े 12 टीमों में सम्मिलित 100 खिलाड़ियों ने महाविद्यालय की ओर से दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न अंतरमहाविद्यालय एवं अन्य राष्ट्रीय, राज्य–स्तरीय, वैयक्तिक एवं मुक्त प्रतियोगिताओं में भाग लिया। साथ ही कॉलेज की ओर से दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतरमहाविद्यालय एवं देश के अंतरविश्वविद्यालय, जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय आदि प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ₹ 5000 द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर ₹ 3000 एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर ₹ 1000 के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है।

इस साल हमारे कॉलेज की ओर से भारोत्तोलन, बॉल बैडमिंटन, वालीबॉल, बॉडी बिल्डिंग, कुश्ती, योग आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेकर जीत हासिल करने वाली टीमों एवं विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है–वेट लिफ्टिंग और पॉवर लिफ्टिंग टीम से जुड़ा मेधावी छात्र विकास सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालय प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेकर पावर लिफ्टिंग में द्वितीय स्थान के साथ रजत पदक प्राप्त किया एवं लक्ष्य, निशांत, रमन और प्रिंस ने वेट लिफ्टिंग में प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसी वर्ग में हिमांशु गुप्ता ने द्वितीय स्थान पर रहकर रजत पदक प्राप्त किया। हर्ष वर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालय 'बेस्ट फिजिक' प्रतियोगिता में रजत–पदक जीता। कॉलेज के ओंकार सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इसी कड़ी में योगेश एवं आनंद कुमार ने 38 वें दिल्ली के राज्य–स्तरीय जूडो प्रतिस्पर्धा में द्वितीय स्थान के साथ रजत पदक प्राप्त किया।

कॉलेज के वॉलीबॉल (पुरुष–वर्ग) के खिलाडियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतरमहाविद्यालय, दिल्ली के राज्य–स्तरीय युवा प्रतियोगिता, एल.एस.आर. एवं महाराजा अग्रसेन ओपन आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी योग्यता, टीम–एकता एवं अनुशासन का अच्छा परिचय दिया। साथ ही क्रिकेट, फुटबॉल, क्रॉस कंट्री, एथलेटिक्स, ताइक्वोंडो, कबड्डी टीम के खिलाडियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतरमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं में सुखद प्रदर्शन किया। पिछले साल की तरह फिर से कॉलेज की पुरुष एवं महिला योग टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतरमहाविद्यालय 'योग–प्रतियोगिता' में भाग लेकर उच्चस्तरीय कौशल, सामूहिक एकता एवं अनुशासन का परिचय देते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज की योग टीम ने दिल्ली के राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा में भी भाग लिया।

हर वर्ष आयोजित होने वाले वार्षिक खेल दिवस को इस साल 22 फरवरी 2018 को सायं 3 बजे खेल परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय हॉकी कोच एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित श्री नरेंदर सिंह सैनी जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। विभिन्न एथलेटिक्स प्रतिस्पर्धाओं में लगभग 250 छात्र–छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। समारोह के अंत में सभी विजेताओं को प्रमाण–पत्र, मैडल एवं टी.शर्ट प्रदान किए गए। आज पुनः शारीरिक शिक्षा विभाग से संबद्ध पुरुष एवं महिला वर्ग के सर्वोच्च खिलाड़ी को सम्मानित किया जाएगा।

इस वर्ष प्राध्यापक वर्ग से श्री डी. एन. कालिया सेवानिवृत्त हुए। मैं उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना करता हूँ।

अब मैं अपने कॉलेज के प्रशासकीय समिति के अध्यक्ष श्री टी.एन. चतुर्वेदी जी का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सार्थक निर्देशन एवं प्रेरणा से कॉलेज निरन्तर प्रगति की ओर उन्मुख है। साथ ही प्रशासकीय समिति के अन्य सभी कर्मठ सदस्यों के प्रति मैं कृतज्ञ हूँ जिनके अथक सहयोग से कॉलेज के प्रबंधन का संचालन निर्बाध गति से हो रहा है। पूर्व प्राचार्य श्री मोहनलाल जी का सानिध्य एवं परामर्श सदा से कॉलेज के लिए हितकर रहा है,

अतः उनके लिए मेरे मन में अत्यधिक कृतज्ञता और श्रद्धा का भाव है।

कॉलेज में शिक्षा के अनुकूल रचनात्मक एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण के निर्माण में हमारे कर्मठ शिक्षकों का भरपूर योगदान है और कॉलेज की सभी उपलब्धियों का श्रेय उन्हीं को जाता है, इसलिए मैं उन सबके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। इसी प्रकार मैं प्रशासनिक, एकाउंट, पुस्तकालय आदि में कार्यरत सभी कर्मचारियों को कॉलेज के प्रति उनकी सेवा के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। मैं सभी विद्यार्थियों को अगले महीने से शुरू होनेवाली परीक्षाओं में अच्छे परिणाम के लिए शुभकामनाएं देता हूँ और यह कामना करता हूँ कि वे जीवन के कर्म–क्षेत्र में निरंतर प्रगति करें तथा अपने शुभ लक्ष्य को प्राप्त करने में सदैव सफल हों।

सम्माननीय महोदय, अंत में मैं कॉलेज परिवार की ओर से पुनः आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। यह हमारा परम सौभाग्य है कि आपने अपना बहुमूल्य समय हमारे इस कार्यक्रम के लिए प्रदान किया। अब मैं आपसे विनम्र निवेदन करता हूँ कि इस अवसर पर उपस्थित कॉलेज परिवार को संबोधित कर अनुगृहीत करें। साथ ही कार्यक्रम के अंत में सम्मानित होनेवाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उन्हें अपना आशीर्वाद प्रदान करें।

डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता (प्राचार्य)

महर्षि दयानन्द सरस्वती के विचार–मनुष्य उसी को कहना चाहिए, जो मननशील होकर स्वात्मवत् दूसरों के सुख–दुःख और हानि–लाभ को समझे। अन्यायकारी बलवान से भी न डरे और धर्मात्मा निर्बल से भी डरता रहे। जो सदा महादीन, अनाथ, निर्बल और गुण रहित धर्मात्माओं की अपने सर्व–सामर्थ्य से रक्षा, उन्नति और प्रिय आचरण करे एवं सनाथ, महाबलवान और गुणवान होते हुए भी अधर्मियों के समान आचरण करने वालों का विरोध अवनति और नाश करे। वह जहाँ तक संभव हो सके वहाँ तक अन्यायकारियों के बल की हानि और न्यायकारियों के बल की सर्वथा उन्नति किया करे। इस काम में चाहे उसको कितना ही दारुण दुःख क्यों न प्राप्त हो, चाहे प्राण भी भले ही न चला जाए, परन्तु इस मनुष्यत्व धर्म से वह कभी भी पृथक न होए।

प्रवेश

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित नियमों के अंतर्गत इस साल प्रथम वर्ष में 719 नए विद्यार्थियों का नामांकन किया गया। दिनांक 31–03–2018 तक विभिन्न कक्षाओं में विद्यार्थियों की कुल संख्या 2015 थी। उनका कक्षा–क्रमानुसार पूर्ण विवरण इस प्रकार है–

	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
बी.ए. (प्रोग्राम)	257	221	224
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	232	184	205
बी.कॉम. (आनर्स)	111	71	77
बी.ए. (आनर्स) राजनीतिशास्त्र	50	39	96
बी.ए. (आनर्स) हिन्दी	32	46	36
बी.एस.सी. (गणित)	37	47	50
	719	**608**	**688**
विद्यार्थियों की कुल संख्या			**2015**

परीक्षा परिणाम

विगत वर्षों के समान इस वर्ष भी कॉलेज के सभी विद्यार्थियों का परीक्षा–परिणाम उत्कृष्ट रहा। उनमें से स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों का परीक्षा–परिणाम इस प्रकार हैः–

तृतीय वर्ष	Appeared	Passed	Percentage
बी.ए. (प्रोग्राम)	309	258	83.50
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	193	176	91.19
बी.कॉम. (आनर्स)	103	89	86.41
बी.ए. (आनर्स) राजनीतिशास्त्र	117	110	94.02
बी.ए. (आनर्स) हिन्दी	57	57	100
बी.एस.सी. (गणित)	131	129	98.47
	910	**819**	**90**

कॉलेज के प्राध्यापक

अंग्रेजी विभाग

श्रीमती रेणुकाधर बजाज
डॉ. (श्रीमती) मीता भटनागर
श्री जसपाल सिंह
श्रीमती प्रियंका चटर्जी
डॉ. (श्रीमती) ज्योत्स्ना प्रभाकर
सुश्री संगीता शर्मा
श्री अनिल कुमार
डॉ. विपिन प्रताप सिंह
डॉ. अमित कुमार भगत (तदर्थ)
डॉ. निरोज कुमार सेठी (तदर्थ)

हिन्दी विभाग

डॉ. सुरेश चंद शर्मा
डॉ. (श्रीमती) रुक्मिणी
डॉ. (श्रीमती) राजकुमारी पाण्डेय
डॉ. (श्रीमती) आशा रानी
डॉ. ओंकार लाल मीणा
डॉ. हरीश अरोड़ा
डॉ. (श्रीमती) मीना शर्मा
डॉ. अनिल कुमार सिंह
डॉ. अनिरुद्ध कुमार
डॉ. डिम्पल गुप्ता (तदर्थ)
डॉ. पुनीत चाँदला (तदर्थ)
श्री बलवंत सिंह (तदर्थ)
श्रीमती बीना मीणा (तदर्थ)
डॉ. कुमार धनंजय (तदर्थ)
डॉ. (श्रीमती) श्रुति रंजना मिश्रा (तदर्थ)
डॉ. (श्रीमती) मंजरी गुप्ता (तदर्थ)

गणित विभाग

डॉ. जगमोहन राय
श्रीमती उदिता अग्रवाल
श्री हरि प्रताप
श्री आदित्य प्रताप सिंह (तदर्थ)
डॉ. दीपक कुमार पोरवाल (तदर्थ)
श्री उदय शर्मा (तदर्थ)
डॉ. कामिनी रावत (तदर्थ)

इतिहास विभाग

डॉ. संजय कुमार
डॉ. (श्रीमती) मृदुला अरोड़ा
डॉ. नागेन्द्र शर्मा
डॉ. मतिउर रहमान खान (तदर्थ)
श्रीमती श्रुति विप (तदर्थ)
श्री राजीव रंजन (तदर्थ)

राजनीति शास्त्र विभाग

डॉ. बासुकी नाथ चौधरी
श्री नीलोत्पल मृणाल
डॉ. शुभेन्दु रंजन राज
डॉ. (श्रीमती) ईशा वर्मा
डॉ. कृष्ण मुरारी
श्री बिनीत कुमार सिन्हा (तदर्थ)
सुश्री सना तस्लीम (तदर्थ)
सुश्री के. सी. भोटिया (तदर्थ)
श्री परमीत सिंह (तदर्थ)
श्री मनोज कुमार (तदर्थ)
श्री समशेर सिंह (तदर्थ)
श्री मंगल देव सिंह (तदर्थ)

वाणिज्य विभाग

श्री अमित कुमार
डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता (प्राचार्य)
डॉ. (श्रीमती) अनीता बजाज
डॉ. (श्रीमती) रुचिरा पाठक
श्री रमेश कुमार
श्रीमती पलविन्दर कौर बक्शी

श्रीमती सोनिया ढींगरा
डॉ. (श्रीमती) कृष्णा शुक्ला
डॉ. जयशंकर शर्मा (तदर्थ)
श्रीमती सोनिका नागपाल (तदर्थ)
डॉ. मुकेश कुमार (तदर्थ)
श्रीमती करिश्मा सारस्वत (तदर्थ)
श्रीमती मीनाक्षी यादव (तदर्थ)
डॉ. अजय गर्ग (तदर्थ)
श्री गौतम झा (तदर्थ)
श्री पन्नालाल (तदर्थ)
डॉ. चन्द्रकांत कुशवाहा (तदर्थ)
डॉ. अवधेश कुमार तिवारी (तदर्थ)
श्री केवल सिंह (तदर्थ)
श्रीमती रिम्मी जैन (तदर्थ)
सुश्री गरिमा भारद्वाज (तदर्थ)
श्री नितीश बाग्दी (तदर्थ)

अर्थशास्त्र विभाग

श्रीमती अश्मा भाटिया
श्रीमती गीता अहूजा
श्रीमती दीपिका शर्मा (तदर्थ)

संस्कृत विभाग

डॉ. सत्यकाम शर्मा
श्री योगेश शर्मा (तदर्थ)

पर्यावरण अध्ययन विभाग

श्री मयंक पाण्डेय (तदर्थ)

शारीरिक शिक्षा विभाग

डॉ. प्रमोद कुमार सेठी

कार्यवाहक पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री पवन कुमार मैठानी

एन.सी.सी. की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

S. No.	CAMP	PLACE	DATE	PARTICIPATION	ACHIEVEMENT
1.	CATC	R. K. PURAM, NEW DELHI	20-21/07/2017	30 CDTS LEAD BY JUO SANJAY	1st-Poster Making, 1st- Section Battle Drill, 2nd -Shooting.
2.	CM RALLY	MODEL TOWN, DELHI	1-15/8/2017	CDT PARVEEN, CDT BHARAT, CDT KUNDAN , CDT THANESHWAR PANDEY	Participated
3.	NIC-I	AHEMDABAD, GUJRAT	10-22/8/2017	5 CDTS LEAD BY CQMS WAZID ALI	2nd Poistion in Debate
4.	ALC	AGRA, UTTAR PRADESH	21/08 -1/9/17	CDT AIRAZ HAIDER, CDT HIMASHU KANYAL, CDT AAKASH TANWAR	2nd Poistion in Group Discussion.
5.	"SWACHH BHARAT " RALLY	NIZZAMUDIN, DELHI	18/09/2017	20 CDTS	Participated
6.	RCTC	SRINAGAR, UTTRA-KHAND	22-27/09/2017	4 CDTS LEAD BY JUO RISHABH KUMAR	Participated
7.	FIFA U-17 WORLD CUP	JLN STADIUM, NEW DELHI	12/10/2017	20 CDTS	Participated
8.	"ROCK CLIMBING" EVENT	PGDAV COLLEGE, NEW DELHI	14/10/2017	160 CDTS LEAD BY SUO VAIBHAV AND SUO NAMITA	Participated

9.	FIFA U-17 WORLD CUP	JLN STADIUM, NEW DELHI	18/10/2017	20 CDTS	Participated
10.	BSF HALF MARA-THON 2017	JLN STADIUM, NEW DELHI	22/10/2017	20 CDTSLEAD BY CQMS SURESH SINGH	Participated
11.	Army Attachement	MERRUT, UTTAR PRADESH	23/10-1/11/17	23 CDTS LEAD BY CQMS SURESH	Participated
12.	Pre RDC-I	R. K. PURAM, NEW DELHI	1-10/11/2017	7 CDTS	Participated
13.	Pre RDC-II	R. K. PURAM, NEW DELHI	1-10/11/2017	6 CDTS	Participated
14.	Pre RDC-III	NCC BHAWAN, ROHINI	19-28/12/2017	5 CDTS	Participated
15.	ATC	R. K. PURAM, NEW DELHI	17-26/11/2017	20 CDTS	1st -POSTER MAK-ING, 2nd -DEBATE
16.	AMAR JAWAN JYOTI	R. K. PURAM, NEW DELHI	17/11/2017	11 CDTS	Participated
17.	ALC - VI	COIMBTORE, TAMIL NADU	6-17/12/2017	JUO ADARSH AND CDT KUNAL	1ST-FOOTBALL, 1ST-BASKETBALL.
18.	NIC-III	BARNES SCHOOL AND JR. COLLEGE, NASHIK, MAHARASHTRA	23/12-3/1/17	JUO RISHABH KUMAR, CSM RANJEET, SGT SHOURYA ROY	3RD -VOLLEYEBALL.
19.	RDC	DGNCC, DELHI CANTT.	30-31/12/2017	5 CDTS	Participated
20.	SNIC	DIMAPOOR, NA-GALAND	3-15/1/2018	SUO VAIBHAV BHATNAGAR AND CDT BHARAT	1ST GROUP DANCE, 3RD BASKET BALL
21.	CM RALLY	MODEL TOWN, DELHI	2-25/1/2018	16 CDTS	Participated

सांस्कृतिक–गतिविधियों में विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

Name	Event	Level	Organized by	Achievements
Aditya Pant,BA(H) Pol.Sc.	Debate	Inter- College	Dyal singh	First
-do-	Debate	Inter-college	St, Stephen college	Best Adjudicator
-do-	Debate	National	BITS, Pilani	Best Speaker
-do-	Debate	National	V-Maximus, Hyderabad	Best Speaker
-do-	Debate	Inter-college	ARSDCollege	Best interjection
-do-	Debate	Inter-college	PGDAV College	Best interjection
Saurabh Pandey	Battle of band	Inter-college	Ramanujan College	Third
Sahil Chaudhary	Debate	Inter-college	Gargi College	First
Abhishek Tiwari	Debate	Inter-college	Maharaja Agrasen	Second
Aabhyan	Debate	Inter-college	Maharaja Agrasen	Best interjection
-do-	GD	Inter-college	Dyal Singh College	Second
Gaurav Yadav	Debate	Inter-college	PGDAV College(Eve)	Third
Vaishali	Learn N Win	Inter-college	PGDAV College(Eve)	Third
Vikas Chuge	Debate	Inter-college	College, Pol.Sc Deptt.	Third
Adarsh Singh	Debate	Inter-college	College, Pol.Sc Deptt.	Third

नाट्य–गतिविधियों में विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

Name	Event	Level	Organized by	Achievements
नेपथ्य टीम	नाट्य–मंचन	अंतरमहाविद्यालय	आई.आई.टी., दिल्ली	तृतीय
नेपथ्य टीम	नाट्य–मंचन	अंतरमहाविद्यालय	थापर विश्वविद्यालय, पटियाला	द्वितीय
नेपथ्य टीम	नाट्य–मंचन	अंतरमहाविद्यालय	डी.सी.ए.सी. दिल्ली विश्वविद्यालय	तृतीय
रीनू कुमारी	नाट्य–अभिनय	अंतरमहाविद्यालय	डी.सी.ए.सी. दिल्ली विश्वविद्यालय	सर्वोतम अभिनय
नम्रता वशिष्ठ	नाट्य–अभिनय	अंतरमहाविद्यालय	उड़ान प्रतियोगिता	सर्वोतम अभिनय
नेपथ्य टीम	नाट्य–मंचन	अंतरमहाविद्यालय	जाकिर हुसैन महाविद्यालय (सांध्य)	द्वितीय
नेपथ्य टीम	नाट्य–मंचन	अंतरमहाविद्यालय	चिटकारा विश्वविद्यालय	द्वितीय

खेल–क्षेत्र में विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

(Medals in Delhi University inter college & Delhi State Competitions)

S.NO.	NAME OF THE STUDENT	CLASS	Medals	GAME&SPORTS	POSTION
1.	Lakshya	B.A (Prog.)	Gold	Weight lifting	1st
2.	Nishant	B.A (Prog.)	Gold	Weight lifting	1st
3.	Raman		Gold	Weight lifting	1st
4.	Prince	B.A (Prog.)	Gold	Weight lifting	1st
5.	Vikas Singh	B.A (Hons)	Silver	Power lifting	2nd
6.	Himanshu Gupta	B.A (Prog.)	Silver	Weight lifting	2nd
7.	Harshal Verma	B.A (Hons)	Silver	Body Building	2nd
8.	Onkar Singh	B.COM (Prog.)	Bronze	Boxing	3rd
9.	Yogesh	B.A (Prog.)	Silver	Judo	2nd
10.	Anand Kumar	B.A (Prog.)	Silver	Judo	2nd

कॉलेज द्वारा छात्रों को प्रदत्त पुरस्कार

1. बी. के. गुप्ता–विमला देवी स्मृति छात्रवृत्ति
2. श्री जगन्नाथ मधोक स्मृति पुरस्कार
3. श्री गुरूदत्त शर्मा स्मृति पुरस्कार
4. श्रीमती श्याम अग्रवाल स्मृति पुरस्कार
5. श्रीमती मथुरा बाई स्मृति पुरस्कार
6. श्री राज नारायण गोयल स्मृति पुरस्कार
7. डॉ. नित्यानंद शर्मा स्मृति पुरस्कार
8. श्री के. एल. अग्रवाल स्मृति पुरस्कार
9. श्री रामचन्द्र गुप्त एवं शांतिदेवी स्मृति पुरस्कार
10. श्री आर. सी. आनंद स्मृति पुरस्कार
11. श्रीमती शांति देवी मधोक एवं श्री राजेन्द्रनाथ मधोक स्मृति पुरस्कार
12. श्रीमती शांति देवी मधोक एवं श्री राजेन्द्रनाथ मधोक सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी पुरस्कार
13. श्री द्रौपदी देवी एवं श्री राजपाल शर्मा स्मृति पुरस्कार
14. श्रीमती मधु शर्मा स्मृति पुरस्कार
15. श्रीमती रुक्मिणी देवी शर्मा स्मृति पुरस्कार (दो पुरस्कार)
16. डॉ. भाई महावीर मेमोरियल पुरस्कार

आर्य समाज के नियम

आर्य समाज के सार्वभौमिक दस नियम इस प्रकार हैं–

- सब सत्य विद्या और पदार्थ विद्या से जाने जाते हैं उन सबका आदि मूल परमेश्वर है।
- ईश्वर सच्चिदानंद स्वरूप, निराकार, सर्वशक्तिमान, न्यायकारी, दयालु, अजन्मा, अनंत, निर्विकार, अनादि, अनुपम, सर्वाधार, सर्वेश्वर, सर्वव्यापक, सर्वांतयामी, अजर, अमर, अभय, नित्य, पवित्र और सृष्टिकर्ता है, उसी की उपासना करने योग्य है।
- वेद सब सत्य विद्याओं की पुस्तक है। वेद का पढ़ना–पढ़ाना और सुनना–सुनाना आर्यों का परम धर्म है।
- सत्य को ग्रहण करने और असत्य को छोड़ने में सर्वदा उद्यत रहना चाहिए।
- सब काम धर्मानुसार अर्थात सत्य और असत्य को विचार करके करने चाहिए।
- संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है अर्थात शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति करना।
- सबसे प्रीतिपूर्वक यथायोग्य वर्तना चाहिए।
- अविद्या का नाश और विद्या की वृद्धि करनी चाहिए।
- प्रत्येक को अपनी ही उन्नति में संतुष्ट नही रहना चाहिए, किंतु सबकी उन्नति में अपनी उन्नति समझनी चाहिए।
- सब मनुष्यों को सामाजिक, सर्वहितकारी नियम पालने में परतन्त्र रहना चाहिए और प्रत्येक हितकारी नियम में सबको स्वतन्त्र रहना चाहिए।

दीक्षांत
NSS Unite Annual Fest, 2018
Chief Guest